RNI .NO. MPBIL / 2013/ 54381

डाक पंजीकरण संख्या MP/IDC/1619/2024-2026

संपादकः- डॉ. देवेन्द्र मालवीय

दैनिक सद्भावना पाती

...प्राणियों में सद्भावना हो...

12 वर्ष

www.sadbhawnapaati.com Email: sadbhawnapaatinews@gmail.com इंदौर, बुधवार ● 01 जनवरी , 2025 वर्षः-12 अंक -244 मूल्य -1 रु. कुल पृष्ठ - 8

तमिलनाडु में समुद्र के ऊपर बन गया कांच का बढ़िया पुल

उद्घाटन के साथ सीएम ने खुद की सैर, खूबसूरत था नजारा

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने सोमवार को कन्याकुमारी में विवेकानंद स्मारक और तिरुवल्लुवर प्रतिमा को जोड़ने वाले एक नए कांच के पुल का उद्घाटन किया। यह इस तरह का भारत का पहला पुल है,

जो काफी आकर्षण का केंद्र बनने वाला है। यह पुल 77 मीटर लंबा और 10 मीटर चौड़ा है। खास बात यह है कि पुल की सतह से आपको नीचे के नजारा दिखाई देगा, यह एक बेहतरीन और काफी नया अनुभव हो सकता है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर धनुषाकार पुल का एक वीडियो साझा किया, उद्घाटन के दौरान मुख्यमंत्री ने पुल पर सैर भी की। कन्याकुमारी में 37 करोड़ रुपए की यह परियोजना तमिलनाडु सरकार द्वारा शुरू की गई थी, जिसका उद्घाटन 30 दिसंबर को किया गया।

भारतीय नर्स की फांसी को राष्ट्रपति की मंजूरी

निमिषा पर सहयोगी की हत्या का आरोप, भारत बोला-मदद मुहैया करा रहे

सना (एजेंसी)। यमन में कैद भारतीय नर्स निमिषा प्रिया को मिली मौत की सजा को वहां के राष्ट्रपति ने मंजूरी दे दी है। भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने इसकी पुष्टि की है। विदेश मंत्रालय ने आश्वासन दिया है कि सरकार इस मामले में हर संभव मदद मुहैया करा रही है। केरल की रहने वाली निमिषा पर यमन के एक नागरिक

तलाल अब्दो महदी की हत्या का आरोप है। निमिषा ने 2017 में महदी को ड्रग का ओवरडोज देकर मार दिया था। निमिषा और महदी यमन में एक प्राइवेट क्लिनिक में पार्टनर थे। आरोप है कि महदी ने निमिषा का पासपोर्ट कब्जे में ले रखा था और उसे प्रताड़ित करता था। निमिषा को एक महीने के अंदर सजा दी जाएगी। निमिषा ने 2008 में नर्सिंग की पढ़ाई पूरी करने के बाद केरल में ही जॉब करना शुरू की थी। 2011 में उन्होंने केरल की टॉमी थॉमस से शादी की थी। इसके बाद दोनों 2012 में यमन चले गए थे। यहां सना नर्सिंग का काम कर रही थी। 2014 में आर्थिक तंगी के चलते निमिषा के पति और उनकी एक बेटी भारत वापस लौट आए थे। हालांकि निमिषा ने यमन में काम करना जारी रखा।

बिहार सरकार ने बीपीएससी परीक्षा विवाद से झाड़ा पल्ला

नीतिश से मिले सम्राट चौधरी, बोले- आयोग को फ्री हैंड, वो निर्णय ले

पटना (एजेंसी)। बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) की 70वीं संयुक्त प्रारंभिक परीक्षा को पूरी तरह रद्द करके दोबारा सबकी परीक्षा लेने की मांग को लेकर चल रहे छात्र-छात्राओं के आंदोलन से नीतिश कुमार की सरकार ने एक तरह से पल्ला झाड़ लिया है। दिल्ली से सोमवार की शाम पटना लौटे मुख्यमंत्री नीतिश कुमार से भाजपा नेता और डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने मंगलवार की सुबह मुलाकात की। सीएम से मिलने के बाद मीडिया के सामने आए सम्राट

चौधरी ने कहा कि आयोग एक ऑटोनॉमस बॉडी है और छात्रों के संबंध में कोई भी निर्णय लेने के लिए स्वतंत्र है। उन्होंने कहा कि सरकार ने बीपीएससी को फ्री हैंड दिया हुआ है। सम्राट चौधरी ने बीपीएससी आंदोलन को लेकर मीडिया के सवाल के जवाब में कहा-बीपीएससी एक ऑटोनॉमस बॉडी है। वो स्वतंत्र है। पूरी तरह सरकार उनको फ्री हैंड दिए हुए है। वो निर्णय ले। छात्रों के हित, छात्रों के संबंध में कोई भी निर्णय लेने के लिए वो स्वतंत्र है। दूसरी सरकारें ही (आयोग को) चलाती थी। हमारा (सरकार में) ऑटोनोमस बॉडी है। वो तय करेगा कि वहां छात्रों का हित क्या है। गर्दनीबाग में लगातार धरना-प्रदर्शन कर रहे बीपीएससी कैंडीडेट्स ने रविवार को गांधी मैदान में जमा होने के बाद सीएम हाउस मार्च किया था जिस दौरान पुलिस ने जेपी गोलंबर के पास पहले तो उन पर वाटर कैनन से पानी की बौछार कर दी।

नए साल का आगाज, आतिशबाजी के साथ स्वागत

दुनिया में सबसे पहले न्यूजीलैंड में आया नया साल, जश्न की शुरुआत

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया भर में नए साल की एंट्री हो गई है। भारत में लोग जश्न में डूब गए हैं। दुनिया सबसे पहले न्यूजीलैंड साल 2025 का जश्न शुरू हुआ। दुनिया के सबसे पूर्वी हिस्से में स्थित होने के कारण, न्यूजीलैंड में सबसे पहले नए साल का जश्न मनाया जाता है। ऑकलैंड के चर्चित स्काई टावर पर नए साल पर जबरदस्त आतिशबाजी की गई। न्यूजीलैंड में भारत से साढ़े 7 घंटे पहले, जबकि अमेरिका में साढ़े 9 घंटे बाद नया साल आता है। इस तरह पूरी दुनिया में नया साल आने की जर्नी 19 घंटों तक जारी रहती है।

भाजपा ने केजरीवाल को भूल-भुलैया फिल्म का छोटा पंडित बताया, बवाल

कहा-वे चुनावी हिंदू, केजरीवाल बोले-क्या मुझे गाली देने से देश का भला होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को राजधानी में पुजारी-ग्रंथी योजना लॉन्च की। केजरीवाल ने कश्मीरी गेट के मरघट वाले बाबा के मंदिर में पत्नी के साथ दर्शन किए और वहां के पुजारी का पहला रजिस्ट्रेशन कराया। योजना के तहत पुजारियों-ग्रंथियों को हर महीने 18 हजार रुपए सैलरी देने का वादा किया गया है। भाजपा ने एक्स पर एक पोस्टर जारी किया, जिसमें अरविंद केजरीवाल को भूल-भुलैया फिल्म के छोटा पंडित (राजपाल यादव) के किरदार में दिखाया। भाजपा ने उन्हें चुनावी हिंदू बताया है। भाजपा ने लिखा- जो 10 साल से इमामों को सैलरी बांटता रहा। जो खुद और उनकी नानी प्रभु श्रीराम का मंदिर बनने से खुश नहीं थे। जिसने मंदिर और गुरुद्वारों के बाहर शराब के ठेके खोले। जिसकी पूरी राजनीति हिंदू विरोधी रही, उसे अब चुनाव आते ही पुजारियों और ग्रंथियों की याद आई। केजरीवाल ने जवाब में कहा, जब से पुजारी ग्रंथी सम्मान योजना की घोषणा हुई है, भाजपा वाले मुझे गंदी-गंदी गालियां दे रहे हैं। क्या मुझे गाली देने से देश का फायदा होगा। आपकी 20 राज्यों में सरकारें हैं। गुजरात में तो आपकी 30 साल से सरकार है।

बीते साल जो कुछ भी हुआ, उसके लिए सॉरी

● मणिपुर हिंसा के लिए सीएम बीरेन सिंह ने मांगी माफी ● मुख्यमंत्री बीरेन ने कहा-हमें गलतियों से सीखना होगा

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने राज्य में बीते साल हुई घटनाओं पर गहरा अफसोस जताते हुए लोगों से माफी मांगी है। उन्होंने कहा, यह पूरा साल बहुत दुर्भाग्यपूर्ण रहा है। मुझे बहुत खेद है और मैं राज्य के लोगों से कहना चाहता हूं कि जो कुछ भी 3 मई से अब तक हुआ, उसके लिए मैं माफी मांगता हूं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इन घटनाओं में कई लोगों ने अपने प्रियजनों को खो दिया, और कई लोगों को अपना घर छोड़ना पड़ा। उन्होंने कहा, मुझे इसका बहुत पछतावा है। मैं सभी से माफी मांगना चाहता हूं। हालांकि, उन्होंने यह भी बताया कि पिछले 3-4 महीनों में राज्य में शांति बहाल करने की दिशा में सकारात्मक प्रगति हुई है। उन्होंने उम्मीद जताई कि नए साल 2025 के साथ मणिपुर में पूरी तरह से शांति और सामान्य स्थिति बहाल हो जाएगी। मुख्यमंत्री ने राज्य के सभी समुदायों से अपील करते हुए कहा, जो हुआ, वह हो गया। हमें अब बीती गलतियों को भुलाकर एक नई शुरुआत करनी होगी। एक शांतिपूर्ण मणिपुर, एक समृद्ध मणिपुर, हम सभी को मिलकर यहां एक साथ रहना चाहिए। हिंसा से निपटने के तरीके को लेकर विपक्ष के निशाने पर आए सीएम ने इंफाल में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए इस बात पर जोर दिया कि मणिपुर में शांति बहाल हो रही है। बीरेन सिंह ने कहा, मणिपुर में शांति बहाल हो रही है और इसका एकमात्र समाधान चर्चा और संवाद है, जिसकी पहल केंद्र सरकार पहले ही कर चुकी

है। मणिपुर में 3 मई, 2023 से ही बहुसंख्यक मैतेई और कुकी के बीच आरक्षण और आर्थिक लाभ को लेकर छिटपुट हिंसा चल रही है।

जारी हिंसा में 200 से अधिक लोग मारे गए हैं और हजारों लोग विस्थापित हुए हैं। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने कहा, अब तक कुल मिलाकर लगभग 200 लोग मारे गए हैं और लगभग 12,247 एफआईआर दर्ज की गई हैं और 625 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। लगभग 5,600 हथियार और विस्फोटकों सहित लगभग 35,000 गोला-बारूद बरामद किए गए हैं। मुद्दों से निपटने में अच्छी प्रगति हुई है। केंद्र सरकार ने विस्थापित परिवारों की मदद के लिए पर्याप्त सुरक्षाकर्मी और पर्याप्त धनराशि प्रदान की है।

घने कोहरे और शीतलहर की चपेट में उत्तर भारत

- एमपी-यूपी और राजस्थान में ठंड से जनजीवन अस्त-व्यस्त
- पंजाब, हरियाणा, दिल्ली और हिमाचल प्रदेश में छाई कंपकंपी

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर भारत में सर्दियों का प्रकोप अपने चरम पर है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) की रिपोर्ट के अनुसार, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, हिमाचल प्रदेश और राजस्थान के कई हिस्सों में ठंड ने जीवन को बुरी तरह प्रभावित किया है। बीते 24 घंटों में घने कोहरे और शीतलहर की वजह से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। वहीं साल के पहले हफ्ते में कुछ राज्यों में पश्चिमी विक्षोभ के चलते बारिश के आसार नजर आ रहे हैं। पंजाब, हरियाणा और राजस्थान में ठंड के प्रकोप से कई इलाकों में कोल्ड डे और सीवियर कोल्ड डे जैसी कंडीशन देखी गई। वहीं हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर के कई इलाकों में शीतलहर ने जनजीवन ठप कर दिया। दिल्ली-एनसीआर में दिन के तापमान में भारी गिरावट दर्ज की गई। न्यूनतम तापमान कई स्थानों पर सामान्य से 2-4 डिग्री सेल्सियस कम रहा। चंडीगढ़, राजस्थान और पूर्वी उत्तर प्रदेश में कोहरे की वजह से दृश्यता शून्य तक पहुंच गई। चंडीगढ़, अंबिकापुर, और सीकर जैसे इलाकों में दृश्यता 50 मीटर से भी कम रही। कोहरे के कारण हवाई, रेल और सड़क यातायात पर व्यापक असर पड़ा। कई उड़ानों और ट्रेनों में देरी हुई, जिससे यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

बच्चों को बना रहे आत्मघाती हमलावर, मदरसों में ट्रेनिंग

पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में 2 बांग्लादेशी आतंकी गिरफ्तार

मुर्शिदाबाद (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स ने सोमवार को मुर्शिदाबाद जिले से दो लोगों को गिरफ्तार किया है। इनकी पहचान सजिबुल इस्लाम (24) और मुस्ताकिम मोंडल (26) के रूप में हुई है। दोनों का संबंध अल-कायदा से जुड़े प्रतिबंधित आतंकी संगठन अंसारुल्लाह बांग्ला टीम (एटीबी) से बताया जा रहा है। यह गिरफ्तारी जिले में पहले हुई मिनारूल शेख और मोहम्मद अब्बास की गिरफ्तारी के बाद हुई है। मिनारूल और अब्बास पर बच्चों को कट्टरपंथी बनाने और आत्मघाती हमलावर तैयार करने का आरोप है। रिपोर्ट के मुताबिक, पुलिस ने बताया कि मिनारूल और अब्बास 12 से 16 साल के बच्चों को टारगेट कर स्थानीय मदरसों में कट्टरपंथी विचारधारा के साथ उनकी भर्ती कर रहे थे। इन बच्चों को आत्मघाती हमलों के लिए ट्रेन किया जा रहा था। पुलिस ने दावा किया है कि मुर्शिदाबाद, नदिया, उत्तर दिनाजपुर और अलीपुरद्वार में 30 आत्मघाती हमलावरों का नेटवर्क खड़ा करने की योजना थी। जांच में यह भी खुलासा हुआ है कि मदरसों में एलईडी स्क्रीन के जरिए

बच्चों को ट्रेनिंग दी जाती थी। इस ट्रेनिंग का संचालन एटीबी के बंगाल शाखा के नेता आमिर और जसीमुद्दीन द्वारा किया जा रहा था। इस मामले को लेकर टीएमसी और बीजेपी के बीच सियासी जंग छिड़ गई है।

देश शोक में है और राहुल छुट्टी मनाने विदेश गए हैं

● कांग्रेस सांसद के वियतनाम दौरे पर बीजेपी हुई हमलावर ● पार्टी की सख्त प्रतिक्रिया-राहुल गांधी लीडर ऑफ पार्टिइंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के अंतिम संस्कार के बाद राहुल गांधी के वियतनाम दौरे पर भाजपा ने तंज कसा है। पार्टी प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने मंगलवार को कहा- देश शोक में है और राहुल पार्टी करने विदेश गए हैं। पूनावाला ने कहा- डॉ. मनमोहन सिंह के निधन के बाद राष्ट्रीय शोक है।

इस दौरान लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने छुट्टी को तरजीह दी और विदेश चले गए। उनके लिए नए साल का जश्न मनाना ज्यादा मायने रखता है। भाजपा प्रवक्ता ने कहा- राहुल लीडर ऑफ ऑपोजिशन हैं। उनके लिए एलओपी का मतलब है लीडर ऑफ पार्टिइंग, यानी पार्टी करने वाला नेता। राहुल ने सार्वजनिक तौर पर मनमोहन को पिता जैसा कहा था। उन्होंने राष्ट्रीय शोक के दौरान विदेश जाकर दिवंगत प्रधानमंत्री का अपमान किया है। भाजपा आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय ने 29 दिसंबर को राहुल गांधी की विदेश यात्रा पर तंज कसा था। उन्होंने कहा था कि राहुल गांधी डॉ. मनमोहन सिंह के अस्थि विसर्जन में शामिल नहीं हुए। 30 दिसंबर को एक्स पर लिखा था कि जब पूरा देश पूर्व पीएम के निधन पर शोक मना रहा है, तब राहुल नए साल का जश्न मनाने वियतनाम चले गए। उन्होंने लिखा था कि राहुल ने डॉ. सिंह की मौत का राजनीतिकरण किया और राजनीति के लिए उसका फायदा उठाया। गांधी परिवार और कांग्रेस सिखों से नफरत करते हैं। यह कभी न भूलें कि इंदिरा गांधी ने दरबार साहिब को अपवित्र किया था। भाजपा के तंज पर कांग्रेस का जवाब

कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने 30 दिसंबर को कहा था कि अमित मालवीय ने आरोप लगाया कि डॉ. मनमोहन सिंह के अस्थि विसर्जन में कांग्रेस और गांधी परिवार का कोई भी नेता नहीं पहुंचा।

मनमोहन सिंह के परिवार की प्राइवेसी का ध्यान रखते हुए कांग्रेस पार्टी का कोई भी नेता अस्थि विसर्जन में शामिल नहीं हुआ। उन्होंने कहा था कि डॉ. मनमोहन सिंह के अंतिम संस्कार के बाद सोनिया जी और प्रियंका जी ने उनके परिवार से मुलाकात की थी। बातचीत में महसूस हुआ कि अंतिम संस्कार में परिवार को प्राइवेसी नहीं मिली। परिवार के कुछ सदस्य चिता स्थल पर भी नहीं पहुंच सके। अस्थि विसर्जन भावनात्मक रूप से कठिन समय होता है, इसलिए हमने परिवार की प्राइवेसी का ख्याल रखा।

दैनिक सद्भावना पाती

इंदौर, बुधवार 01 जनवरी , 2025

बीजेपी-कांग्रेस ने केजरीवाल को लिया आड़े हाथ

भोपाल। आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल द्वारा दिल्ली विधानसभा चुनाव के पहले पुजारियों को 18 हजार रुपए महीने देने की घोषणा पर मध्यप्रदेश में सियासत शुरू हो गई है। प्रदेश की सत्ताधारी बीजेपी के साथ मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस ने भी अरविंद केजरीवाल को आड़े हाथों लिया है। मामले को लेकर बीजेपी-कांग्रेस की ओर से अलग अलग प्रतिक्रिया आई है।कांग्रेस प्रदेश प्रवक्ता अभिनव बरोलिया ने कहा कि- दिल्ली में केजरीवाल मॉडल फेल हो गया है। केजरीवाल बताएं 10 साल में उन्होंने क्या किया है। केजरीवाल 10 साल में कुछ नहीं कर पाए और अब घोषणा कर खाली फॉर्म भरवा रहे है। कहा- 'आप' से पुजारियों को कुछ नहीं मिलने वाला है। वहीं बीजेपी प्रवक्ता कर्नल ईशान ने कहा कि- केजरीवाल बताएं कब देंगे, बताएं कैसे देंगे, यह सिर्फ चुनावी घोषणा है। ऐसी घोषणाएं केजरीवाल कई बार करते आए हैं। इससे जनता उनके बहकावे में आने वाली नहीं है।

धर्म परिवर्तन: दो युवकों को बेरहमी से पीटा, हालत गंभीर

धार। जिले के टांडा थाना क्षेत्र में धर्म परिवर्तन को लेकर जमकर मारपीट हो गई। इस घटना में 2 लोग घायल हुए है। युवकों पर धर्म परिवर्तन का दबाव बनाया जा रहा था। घायलों को टांडा अस्पताल लाया गया। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उनकी स्थिति को देखते हुए सरदारपुर अस्पताल रेफर किया गया है। घटना सोमवार देर शाम की है। फरियादी पक्ष ने रात में थाने पहुंचकर मामले की पुलिस से शिकायत की। जानकारी के मुताबिक ये पूरा मामला टांडा थाना क्षेत्र के अंबा सोटी गांव का है। जहां धर्म परिवर्तन की बात को लेकर दो युवकों की बेरहमी से पिटाई कर दी गई है। एसडीओपी कुक्षी सुनील गुप्ता ने बताया कि फरियादी की शिकायत की जांच कर मामले में आगामी कार्रवाई की जाएगी। मामले में पुलिस की कार्रवाई जारी है। बताया जा रहा है लोगों के साथ धर्म परिवर्तन को लेकर दबाव बनाया जा रहा था, जिस पर से मारपीट की घटना हुई। जिसमें दो लोग घायल हुए हैं। फिलहाल पूरे मामले की जांच पड़ताल की जा रही हैं।

'अंतिम इच्छा सड़क बनवाने की'- हार्ट पेशेंट ने मंत्री सिंधिया को लिखा पत्र

शिवपुरी। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के संसदीय क्षेत्र शिवपुरी नगर में नगरपालिका की लालफीताशाही और अव्यवस्थाओं के चलते लोग परेशान हैं। ताजा मामला वार्ड क्रमांक 7 हनुमान कॉलोनी से सामने आया है, जहां एक हार्ट मरीज ने अपनी अंतिम इच्छा में केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया से गली की सड़क बनवाने की अपील की है।हनुमान कॉलोनी निवासी मनोज राजोरिया गंभीर हार्ट पेशेंट हैं। मनोज ने सिंधिया को पत्र में लिखा है कि, उनकी गली की सड़क बनवा दी जाए ल। जिससे उनकी अर्थी गली से बिना किसी परेशानी के निकल कर श्मशान जा सके। मनोज ने लिखा उसे अभी कुछ समय पूर्व ही मेजर अटैक आया है और डॉक्टर ने उसे बड़े ऑपरेशन की सलाह दी है। उसकी दो छोटी छोटी बेटियां है। ऐसे में वह कभी भी मर सकता है और वह सिर्फ यही चाहता है कि उसकी घर की गली में सड़क न होने के चलते आने जाने में आ रही परेशानियां सड़क बनने से खत्म हो जाएगी।उसकी मौत के बाद उसकी अर्थी घर की गली से निकल सकेगी। उसने गली की सड़क के लिए पार्षद से लेकर नगर पालिका में गुहार लगाई। पर कालोनी को अबैध बोलकर नपा कोई विकास कार्य नहीं कर रही है।

संविदा शिक्षकों को नए साल का तोहफा,

अतिथि शिक्षकों को भर्ती में मिलेगा 50 फीसदी आरक्षण

भोपाल। मध्यप्रदेश में शिक्षक भर्ती परीक्षा से जुड़ी बड़ी और अच्छी खबर सामने आई है। मध्यप्रदेश सरकार ने हजारों संविदा शिक्षकों को नए साल का तोहफा दिया है। अतिथि शिक्षकों को शिक्षा भर्ती में 50 फीसदी आरक्षण मिलेगा। मध्यप्रदेश शासन ने राजपत्र में अधिसूचना जारी कर दी है। शिक्षा भर्ती के नियमों में संशोधन किया गया है। मध्यप्रदेश राज्य स्कूल शिक्षा सेवा, सेवा शर्तें एवं भर्ती नियम, 2018 के राजपत्र में संशोधन किया है। इसी कड़ी में अब अतिथि शिक्षक को 50त्न आरक्षण का लाभ मिलेगा। संविदा शिक्षकों की भर्ती के लिए नियम भी तय किये गए है।मध्यप्रदेश राज्य स्कूल शिक्षा सेवा (शैक्षणिक संवर्ग) सेवा शर्तें व भर्ती नियम 2018 में संशोधन किया गया है। यह नियम एक जनवरी 2025 से लागू होंगे। यानी ईएसबी कैलेंडर के अनुसार साल 2025 की परीक्षा में यह नियम लागू होंगे और रिक्त पदों में से 50 फीसदी अतिथि शिक्षकों को जाएंगे। इस नियम का बहुत से शिक्षकों को लाभ मिल सकेगा। 50त्न पद संविदा, 10त्न पद एक्स सर्विसमैन और 6त्न पद दिव्यांग के लिए आरक्षित रहेंगे।

फ्रेंड के साथ मेला घूमने गई थी युवती, देखकर 4 हैवानों की बिगड़ी नीयत

सिंगरौली। महिलाओं के साथ अपराध के मामले रुकने का नाम नहीं ले रहे हैं। ताजा मामला सिंगरौली का है। जहां के देवसर इलाके में एक 19 वर्षीय युवती के साथ सामूहिक दुष्कर्म का मामला सामने आया है। घटना उस समय हुई जब युवती अपने दोस्त के साथ मेला घूमने गई थी।जानकारी के अनुसार, 19 वर्षीय युवती अपने दोस्त के साथ मेला घूमने गई थी। लौटते वक्त रास्ते में 4 हैवानों ने दोस्त को बंधक बनाकर युवती के साथ सामूहिक दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। घर पहुंची युवती ने घटना की जानकारी अपने परिजनों को दी।इसके बाद युवती से साथ थाने पहुंचे परिजनों ने पुलिस से शिकायत की। मामले की गंभीरता देखते हुए पुलिस ने मामला दर्ज कर चारों आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

जश्न में खोया होश तो पुलिस लॉकअप में मनेगा नया साल, खाकी की रहेगी चप्पे-चप्पे पर नजर

भोपाल। नए साल को लेकर तैयारी पूरी हो चुकी है। इसी बीच मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में न्यू ईयर सेलिब्रेशन पर ट्रैफिक पुलिस ने सुरक्षा की एडवाइजरी जारी की है। नए साल के स्वागत की उलटी गिनती शुरू हो गई है। नए साल के जश्न पर पुलिस की पैनी नज़र होगी। सुरक्षा को लेकर बॉडी वार्न कैमरों के साथ 100 पॉइंट पर खाकी के जवान तैनात किए जाएंगे। वहीं नए साल में मोहन सरकार का न्यू ईयर रेजोल्यूशन सामने आया है। इसकी जानकारी सोशल मीडिया ङ्ग पर मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने दी। भोपाल में न्यू ईयर को होने वाले आयोजन को लेकर पुलिस चैकिंग और सुरक्षा व्यवस्था के कड़े इंतजाम किए गए हैं जिस लेकर शहर के प्रमुख चौराहों और तिराहों पर चैकिंग पाइंट लगाए जाएंगे। न्यू ईयर सेलिब्रेशन करके सुरक्षित अपने घर लौटे। इसके साथ ही नए साल का जश्न मनाते समय यातायात नियमों की अनदेखी न करें। वहीं शराब पीकर और ओवर स्पीड वाहन न चलाए। यातायात सिग्नल का भी पालन करें। हेलमेट के दो पहिया वाहन और चार पहिया वाहन सीट बेल्ट पहनकर चलाएं। नए साल के जश्न पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस ने भी अपनी तैयारी पूरी कर ली है। जश्न के दौरान होश खोया तो पुलिस अपने ढंग से न्यू ईयर मनवा देगी। सुरक्षा को लेकर भोपाल में 100 पॉइंट लगाए जाएंगे। 50 पॉइंट पर बॉडी वॉर्न कैमरे के साथ जवान तैनात रहेंगे तो 40 पॉइंट पर स्पीड रडार गन से चेकिंग की जाएगी। ओवर स्पीडिंग और शराब के नशे में वाहन चलाने वालों पर कार्रवाई होगी। प्रमुख आयोजन स्थल और पिकनिक स्पॉट पर भी पुलिस की नजर है। भोपाल पुलिस कमिश्नर हरीनारायणचारी मिश्र ने कहा कि, प्रमुख पाइंट पर पुलिस के जवान बॉडी कैमरा और ब्रीथ एनालाइजर के साथ तैनात रहेंगे। शहर में 700 जवान तैनात रहेंगे।

उज्जैन में भीषण हादसा -

मजदूरों से भरी पिक-अप पलटी; 3 की मौत, 16 घायल, 5 की हालत नाजुक, चालक फरार

उज्जैन। उज्जैन से लगभग 50 किलोमीटर दूर स्थित महिदपुर तहसील में मंगलवार सुबह सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई। साथ ही 16 लोग घायल हो गए। हादसा पिकअप के पलटने से हुआ। सभी लोग पिकअप में सवार थे और श्रमिक बताए जा रहे हैं। मटर तोड़ने के लिए लिए खेत जा रहे थे। घटना की जानकारी लगते ही पुलिस तुरंत घटनास्थल पर पहुंची। उसके पहले ही ग्रामीणों ने पिकअप के नीचे दबे मजदूरों को जेसीबी के माध्यम से पिकअप हटाकर बाहर निकाल लिया था। घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया। बताया जाता है कि मंगलवार सुबह पिकअप क्रमांक क्रक्र 4134 में सवार होकर 24 श्रमिक महिदपुर तहसील से मटर तोड़ने के लिए रतलाम जा रहे थे। तभी डेलची गांव में सुबह करीब 8-30 बजे स्पीड तेज होने के चलते पिकअप अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे उतरकर पलटी खा गया। हादसे में काफी श्रमिक पिकअप के नीचे दब गए। गनीमत रही कि जल्द से जल्द क्षेत्र के लोगों ने घटनास्थल पर पहुंचकर मजदूरों को बचाने के प्रयास शुरू कर दिए। जेसीबी की मदद से पिकअप को सीधा करवाने के साथ ही यहां फंसे मजदूरों को अस्पताल भिजवाने में मदद भी की। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने तुरंत एंबुलेंस के माध्यम से गंभीर घायलों को उज्जैन जिला चिकित्सालय पहुंचाया, जबकि अन्य घायलों का उपचार महिदपुर अस्पताल में जारी है। महिदपुर थाना पुलिस ने बताया कि इस मामले में पिकअप के नीचे दबने से कंचनबाई (45), जसोदाबाई (35) और बालाराम (15) की मौत हो गई। जबकि अन्य मायाबाई, रेखाबाई, पायलबाई, रम्भाबाई को गंभीर हालत में उज्जैन जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जाता है कि घटना में मंजूबाई, हेमाबाई, साजनबाई, लक्ष्मीबाई, डालीबाई, रेखाबाई, ललिताबाई, रम्भाबाई, कमलाबाई, उमरावबाई, सुगनबाई और रुक्माबाई भी घायल हुई हैं, उन्हें महिदपुर के अस्पताल में उपचार दिया जा रहा है। बताया जा रहा है कि पिकअप में 24 लोग सवार थे। चालक फरार है।

मनी लॉन्ड्रिंग में ईडी ने रेड कर 33 करोड़ से अधिक की संपत्ति पकड़ी

जबलपुर। प्रवर्तन निदेशालय ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में बड़ी कार्रवाई की है. मध्य प्रदेश में छापेमारी कर ईडी की टीम ने 33 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्तियों को जब्त कर लिया. ईडी की टीम ने भोपाल में पिछले हफ्ते क्रक्र के तहत भोपाल, ग्वालियर और जबलपुर समेत कई जगहों पर छापेमारी की थी. छापेमारी की कार्रवाई सौरभ शर्मा और अन्य के खिलाफ दर्ज मामलों में की गयी. ईडी ने सौरभ शर्मा और उसके करीबी चेतन सिंह गौर, शरद जायसवाल और रोहित तिवारी के ठिकानों पर का छापा मारा था। मध्य प्रदेश लोकायुक्त ने परिवहन विभाग के पूर्व कांस्टेबल सौरभ शर्मा के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया था, लोकायुक्त में दर्ज मामले के आधार पर प्रवर्तन निदेशालय ने जांच शुरू की। जांच में सौरभ शर्मा के बैंक खातों और संपत्तियों का पता चला है,बताया जा रहा है कि सौरभ शर्मा ने परिजनों, दोस्तों और कंपनियों के नाम पर करोड़ों की संपत्ति अर्जित की. कंपनियों में डायरेक्टर पद पर सौरभ शर्मा के बेहद करीबी थे. भोपाल, ग्वालियर और जबलपुर में 8 स्थानों पर की छापेमारी की गई थी।

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी की छापेमारी

छापेमारी में 6 करोड़ रुपये से अधिक की फिक्स डिपॉजिट चेतन सिंह गौर के नाम पर और 4 करोड़ रुपये से अधिक का बैंक बैलेंस सौरभ शर्मा के परिजनों और कंपनियों के नाम पर मिल. इसके अलावा, 23 करोड़ रुपये से अधिक कीमत की अचल संपत्तियों के दस्तावेज पारिवारिक सदस्यों और कंपनियों के नाम पर पाए गए, भोपाल में आयकर विभाग ने चेतन सिंह गौर के वाहन से 52 किलो सोने का बिस्कुट और 11 करोड़ रुपये नकद जब्त किए थे. चेतन सिंह गौर पूर्व आरक्षक सौरभ शर्मा का करीबी सहयोगी है. आय से अधिक संपत्ति मामले में सौरभ शर्मा लोकायुक्त के रडार पर आया था।

ग्रेजुएशन के बाद नहीं मिली नौकरी तो जमीन पर लगाया दांव, चमक गई किस्मत

पन्ना। नए साल से ठीक पहले एक नेताजी के बेटे को बड़ा हीरा मिल गया। यह हीरा 4.1 कैरेट का है। जिला पंचायत उपाध्यक्ष संतोष सिंह यादव के बेटे अजय सिंह यादव को यह हीरा मिला है। अजय ने अपने पिता के नाम पर खदान का पट्टा लिया था। हीरा मिलने के बाद अजय ने उसे हीरा कार्यालय में जमा कर दिया। यह हीरा आने वाली नीलामी में बेचा जाएगा। अजय नौकरी की तलाश में थे, लेकिन सफलता नहीं मिली। इसलिए उन्होंने हीरा खदान में किस्मत आजमाने का फैसला किया।संतोष सिंह यादव पन्ना जिला पंचायत के उपाध्यक्ष हैं। उन्होंने अपने बेटे अजय के नाम पर खेत में हीरे की खदान का पट्टा करवाया था। अजय सिंह यादव ने अपने दोस्तों के साथ मिलकर 31 दिसंबर 2024 को यह कीमती हीरा निकाला। इसके बाद वे अपने परिवार के साथ हीरा कार्यालय पहुंचे और हीरा जमा कर दिया। हीरा कार्यालय में हीरे की जांच की गई और इसे 4.1 कैरेट का उज्जवल किस्म का हीरा बताया गया।

20 लाख है हीरे की कीमत: इस हीरे की कीमत लगभग 20 लाख रुपये आंकी गई है। अजय सिंह यादव ने बताया कि मैं ग्रेजुएशन के बाद नौकरी ढूंढ रहा था। लेकिन मुझे नौकरी नहीं मिली। उन्होंने आगे कहा कि इसलिए मैंने हीरे की खदान में काम करने का सोचा। अजय ने सरकोहा गांव में लच्छी पाल की जमीन पर खदान शुरू की। उन्हें फरवरी 2024 में हीरा कार्यालय से पट्टा मिला था। लगभग 10 महीने की मेहनत के बाद सोमवती अमावस्या के दिन उन्हें यह हीरा मिला।

बिजनेस की शुरुआत करेंगे अजय

इसके साथ ही अजय ने कहा कि हीरा नीलामी से जो पैसा मिलेगा, उससे मैं कोई नया बिजनेस शुरू करूंगा। हीरा मिलने से अजय के परिवार में खुशी का माहौल है। उनके घर पर लोगों की भीड़ बधाई देने के लिए आ रही है।वहीं, हीरा कार्यालय के लिपिक सुनील जाटव और खनिज निरीक्षक नूतन जैन ने हीरे की जांच की। उन्होंने बताया कि यह 4.1 कैरेट का उच्च गुणवत्ता वाला हीरा है। यह पहली बार है जब कोई नेता या उनके परिवार का सदस्य सीधे तौर पर हीरे के व्यवसाय से जुड़ा है।

धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री का बड़ा ऐलान बनाएंगे बागेश्वर धाम भक्त मंडल

भोपाल। बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने पूरे भारत में बागेश्वर धाम भक्त मंडल बनाने का ऐलान कर दिया है उन्होंने कहा है कि गांव-गांव और कॉलोनियों में बागेश्वर धाम भक्त मंडल बनाया जाएगा. उन्होंने तारीख का ऐलान भी कर दिया. इसका रजिस्ट्रेशन फरवरी 2025 से शुरू होगा। शास्त्री ने सोशल मीडिया के माध्यम से ऐलान किया है कि उनके पास कुछ श्रद्धालुओं ने बागेश्वर धाम भक्त मंडल बनाने का प्रस्ताव रखा था, जो उन्होंने स्वीकार कर लिया है, उन्होंने कहा कि पूरे भारत में गांव-गांव और कॉलोनियों में हनुमान चालीसा बागेश्वर धाम भक्त मंडल बनाया जाएगा. यह भक्त मंडल हिंदुओं की रक्षा का काम करेगा. उन्होंने यह भी कहा कि फरवरी 2025 में इसका गठन किया जाएगा और 20 से 26 फरवरी तक बागेश्वर धाम भक्त मंडल बनाने के लिए सदस्यों का रजिस्ट्रेशन किया जाएगा. इस भक्त मंडल में सभी समाज के लोग शामिल हो सकते हैं।

सोशल मीडिया के माध्यम से भेजा संदेश: पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के सोशल मीडिया पर बड़ी संख्या में फॉलोअर्स है. इसी के चलते उन्होंने साल 2024 में इस बात का ऐलान कर दिया है कि साल 2025 में गांव-गांव व हर इलाके में बागेश्वरधाम भक्त मंडल बनाया जाएगा. यह भक्त मंडल धार्मिक आयोजनों में किस प्रकार से भाग लेगा? इसका खुलासा तो नहीं हुआ है लेकिन इतना जरूर कहा गया है कि हिंदुओं की रक्षा के लिए यह भक्त मंडल काम करेगा।

हिंदुओं को एक करने के लिए यात्रा निकल चुके हैं धीरेंद्र शास्त्री: धीरेंद्र शास्त्री कुछ समय पहले हिंदुओं को एक करने के लिए यात्रा भी निकल चुके हैं. इस यात्रा में बीजेपी सहित अन्य राजनीतिक दलों के दिग्गज नेताओं ने भाग लिया था, यात्रा में अभिनेता, कलाकार और समाजसेवी संगठनों ने भी अपनी सहभागिता दिखाई थी. अब हनुमान चालीसा बागेश्वर धाम भक्त मंडल के माध्यम से पंडित धीरेंद्र शास्त्री पूरे भारत में अपनी संस्था का गठन करना चाहते हैं।

12 साल की बच्ची के ऊपर गिर गई स्कूल की जर्जर दीवार, जिम्मेदारों को खबर तक नहीं

सिवनी। जिले के आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र घंसौर के एक गांव में शासकीय प्राथमिक शाला की जर्जर दीवार गिर गई, जिसमें दबने से एक छात्रा गंभीर रूप से घायल हो गई। उसे उपचार के लिए घंसौर अस्पताल पहुंचाया गया। आरोप है कि 108 एंबुलेंस को फोन करने के बाद भी वह काफी देर बाद पहुंची, तब तक वह छात्रा स्कूल परिसर में ही बेसुध पड़ी रही। घंसौर अस्पताल पहुंचने के बाद प्राथमिक उपचार किया गया जिसके बाद उसे मेडिकल कॉलेज जबलपुर रेफर कर दिया गया।दरअसल, जन शिक्षा केन्द्र बरेला के अंतर्गत खुदरगांव के शासकीय शाला की दीवार वर्षों से जर्जर है। इसी दीवार के आस-पास बच्चे खेल रहे थे। तभी अचानक दीवार का एक हिस्सा भरभराकर गिर गया, जिसकी चपेट में एक छात्रा साक्षी पिता मनोज भगदिया (12) आ गई। वहां मौजूद अन्य बच्चों की चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग दौड़े और उस छात्रा को बाहर निकाला।

पिता ने लगाया आरोप

गांव के लोगों ने इस घटना की सूचना डायल 100 को दी। घायल बच्ची के पिता मनोज भगदिया ने बताया कि उनकी बेटी रोजाना की तरह सोमवार को भी अन्य बच्चों के साथ स्कूल गई थी। ना जाने कैसे दीवार उसके ऊपर गिर गई और साक्षी गंभीर रूप से घायल हो गई। अन्य छात्र और शिक्षक भी हादसे के समय मौजूद थे, लेकिन किसी को चोट नहीं आई।

जिम्मेदारों की नहीं थी खबर

शासकीय स्कूल परिसर में सोमवार को दिन में दीवार गिरने की इतनी बड़ी घटना घटित हो गई, लेकिन डीपीसी या बीआरसीसी को रात नौ बजे तक इस घटना की सूचना नहीं मिल पाई थी। जब इस मामले में डीपीसी और बीआरसीसी घंसौर से पूछा गया तो दोनों ने अनभिज्ञता जाहिर कर दी। कुछ समय के बाद डीपीसी ने बताया कि यह सही घटना है, उन्होंने बीआरसीसी, बीएसी को छात्रा के स्वास्थ्य के विषय में पूरी जानकारी देते रहने को कहा है।

डीसीपी ने कहा नहीं है जानकारी

महेश कुमार बघेल डीपीसी से जब जानकारी ली गई तो उन्होंने ने कहा कि आपने बताया है तब ही मुझे पता चल पाया है। मैने बीआरसीसी से भी पूछा तो उनको भी जानकारी नहीं है। बीएसी से पूछने पर पता चला कि छात्रा को घंसौर से जबलपुर रेफर किया गया है। स्कूल की बाउंड्रीवाल गिरने से हादसा होना बताया गया है।

मध्य प्रदेश के 61 आईएएस अधिकारियों का प्रमोशन

भोपाल। भारतीय प्रशासनिक सेवा के साल 2009, 2011, 2012 बैच के अधिकारियों के प्रमोशन की सूची जारी हो गई. इस सूची में 61 अधिकारियों के नाम शामिल हैं, जिनमें साल 2011 और 2012 बैच के 29 अधिकारी शामिल हैं, जबकि साल 2009 बैच के 16 अधिकारियों के नाम सम्मिलित हैं।मध्य प्रदेश के मुख्य सचिव अनुराग जैन की ओर से सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा पदोन्नति सूची जारी की गई हैं, जिसमें साल 2009 बैच के 16 अधिकारियों के नाम शामिल किए गए हैं. इनमें प्रियंका दास, अविनाश लवानिया, सुप्रिया फारूकी, अभिषेक सिंह, धनराजू एस, इलैया टी राजा, प्रीति मैथिल, अजय गुप्ता, अमित तोमर, श्रीकांत बनोट, शैलबाला अंजना, अनुभा श्रीवास्तव, प्रबल सिपाहा, सत्येंद्र सिंह और मनीष सिंह के नाम शामिल हैं।

साल 2011-12 बैच के इन अधिकारियों का प्रमोशन: साल 2011 और 12 बैच के अधिकारियों का भी प्रमोशन हुआ है. इनमें वीरेंद्र कुमार, नीरज कुमार सिंह, डॉक्टर पंकज जैन, निधि निवेदिता, रोहित सिंह, प्रवीण सिंह, अनुराग वर्मा, प्रतिभा पाल, डॉक्टर फटिंग राहुल हरिदास, राजीव रंजन मीना, दीपक आर्य, हर्षिका सिंह, आशीष भार्गव, अवधेश शर्मा, कुमार पुरुषोत्तम, सुभाष कुमार द्विवेदी, रत्नेश झा,? धरणेन्द्र कुमार जैन के नाम शामिल है. इसी प्रकार कृष्णदेव त्रिपाठी, अरविंद कुमार दुबे, नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी, केदार सिंह, राजेश बाथम, दिनेश कुमार मौर्या, विवेक क्षेत्रिय, राजेश कुमार, अरुण कुमार परमार, भारती जाटव को भी पदोन्नति मिली है।

साल 2016 बैच के अधिकारी भी पदोन्नत

भारतीय प्रशासनिक सेवा के साल 2016 बैच के अधिकारियों को भी 9 साल की सेवा पूर्ण करने पर पदोन्नति मिली है. इनमें भारतीय प्रशासनिक सेवा के आशीष तिवारी, सिद्धार्थ जैन, अंशुल गुप्ता, जयंती सिंह, प्रीति यादव, किरोड़ी लाल मीणा, गौरव बैनल, हरेंद्र नारायण मिश्रा, सुनील दुबे, राजेश कुमार जैन, प्रमोद कुमार शुक्ला, गजेंद्र सिंह, प्रताप नारायण यादव, अनुराग सक्सेना, सपना पंकज सोलंकी, संघमित्रा गौतम, संजना जैन, जगदीश कुमार, दिशा नागवंशी के नाम शामिल हैं।

एमपी में अभियोजन स्वीकृति के लिए नए निर्देश जारी

लोकायुक्त, ईओडब्ल्यू,पुलिस की जांच के साथ नहीं होगी कर्मचारियों के अभ्यावेदन पर सुनवाई

भोपाल। मध्यप्रदेश में कर्मचारी-अधिकारी के खिलाफ चल रही लोकायुक्त, EOW, पुलिस की जांच के दौरान उनके अभ्यावेदन पर समानांतर जांच या सुनवाई नहीं हो सकेगी। सामान्य प्रशासन विभाग (GAD) ने विभागीय जांच और अभियोजन से संबंधित मामलों को लेकर नए निर्देश जारी किए हैं। जिसमें कहा है कि अभ्यावेदन पर सुनवाई सिर्फ तभी हो सकेगी जब शिकायत निजी तौर पर हुई हो। निर्देश में कहा है कि अभियोजन स्वीकृति के मामले में सक्षम अधिकारी अभियोजन स्वीकृति का स्पष्ट उल्लेख नस्ती में करेंगे। यह भी बताया जाएगा कि संबंधित के बयान, जब्ती मेमो, सभी दस्तावेजों का अध्ययन कर लिया है, और प्रकरण प्रथम दृष्टया अभियोजन योग्य होने से इसे मंजूरी दी गई है। दरअसल, शासन के संज्ञान में आया है कि अभियोजन स्वीकृति के जारी आदेशों में तकनीकी और लिपिकीय गलतियां होती है। इस कारण अभियोजन स्वीकृति आदेश में जांच एजेंसियां संशोधन कराती है। जिससे केस कोर्ट में पेश करने में अनावश्यक विलम्ब होता है। अब खास ध्यान रखना होगा कि अफसर के हस्ताक्षर, सील और हर स्थान पर अपराध क्रमांक और धारा का जिक्र हो। कभी-कभी रिश्वत की राशि, रिश्वत लेने की तारीख, प्रार्थी का नाम नहीं लिखा होता है, इसे भी अधिकारी ध्यान में रखेंगे। अभियोजन स्वीकृति आदेश के रूप में होनी चाहिए। करप्शन और अन्य मामलों में कोर्ट में पेश किए जाने वाले चालान को लेकर 23 दिसंबर को जारी निर्देशों में कहा है कि इसके पहले जारी इससे संबंधित सभी निर्देश निरस्त किए जा रहे हैं। नए निर्देशों के अनुसार जांच एजेंसी के अभियोजन स्वीकृति के प्रकरण या आवेदन रिकॉर्ड समेत नियुक्ति करने वाले अधिकारी को भेजा जाएगा। नियुक्ति करने वाले अधिकारी प्रकरण के परीक्षण के दौरान अगर यह पाते हैं कि केस मंजूरी के लायक है तो केस की डायरी मिलने के बाद 45 दिन के भीतर अभियोजन की स्वीकृति जारी कर उसे जांच एजेंसी को भेजेंगे। अगर किसी निजी व्यक्ति या संस्था की शिकायत पर अभियोजन की स्थिति बनती है तो संबंधित कर्मचारी को सुने जाने का मौका दिया जाना जरूरी होगा। उसकी बात सुने बगैर अभियोजन स्वीकृति नहीं दी जा सकेगी। ऐसे मामले में तीन माह के भीतर निराकरण करना होगा। निजी शिकायत के मामले में यदि नियुक्ति कर्ता अधिकारी प्रकरण को अभियोजन स्वीकृति के लिए उचित नहीं पाता है तो वह अभियोजन स्वीकृति को नकार सकता है।

दैनिक
सद्भावना पाती
...प्राणियों में सद्भावना हो...
इंदौर पाती
3
इंदौर, बुधवार 01 जनवरी , 2025

शहर में धूमधाम से मना साल का आखिरी दिन

नए साल के जश्न के लिए होटलों में आए इंटरनेशनल डीजे और आर्टिस्ट, रात 12 बजते ही शुरू हुआ रक्तदान

- मंदिरों में सुबह से भक्तों का तांता लगा रहा

इंदौर। इंदौर में नए साल का जश्न बड़े धूमधाम से मनाया गया। 2024 की विदाई और 2025 के स्वागत के लिए शहर में कई जगह आयोजन रखे गए। फैमिली, फ्रेंड्स और अन्य लोग होटल, पब, बार, डिस्को, रिसॉर्ट और रेस्त्रां में आयोजित होने वाली पार्टियों में शामिल हुए। ये आयोजन खासतौर पर साल के आखिरी दिन को यादगार बनाने के लिए किए गए। कई लोग पर्यटन स्थलों और तीर्थ स्थलों पर भी नए साल का स्वागत करने के लिए सपरिवार रवाना हुए। शहर के मंदिरों में इस दिन विशेष ध्यान और भजन संध्या के साथ-साथ योग, जुंबा और कैंपिंग जैसी गतिविधियां आयोजित की गईं।

होटलों ने बुलाए इंटरनेशनल डीजे- शहर के सराफा और छप्पन दुकान जैसे प्रमुख खाने-पीने के ठिकानों पर भी भारी भीड़ देखने को मिली। नए साल के जश्न का हिस्सा बनने के लिए शहर के कई होटल, रेस्त्रां और रिसॉर्ट्स ने विशेष थीम आधारित पार्टियों का आयोजन किया। इन पार्टियों में डीजे और डांसर्स को बुलाया गया, साथ ही सिंगर्स और बैंड्स ने भी म्यूजिक के साथ कार्यक्रम में चार चांद लगाए। होटल एसेंशिया, सयाजी, द पार्क होटल, मैरियट, द ग्रैंड शेरेटन, रेडिसन, होटल वॉव, श्रीमाया, नखराली ढाणी और चौखी ढाणी जैसे बड़े रेस्त्रां और होटलों में नववर्ष के लिए रंगारंग कार्यक्रम आयोजित किए गए। होटल एसेंशिया में तीन अलग-अलग कार्यक्रम आयोजित किए गए जिनमें से सबसे बड़ा आयोजन रशियन इंटरनेशनल डीजे केटरिन का रहा जिसमें टेक्नो और बॉलीवुड म्यूजिक का संगम रहा। इसके अलावा विशाल पुल साइड पर डीजे का कार्यक्रम और लाइव बैंड प्रज्ञा का भी आयोजन किया गया।

मंदिरों में भी सुबह से भीड़

सुबह से ही शहर के विभिन्न मंदिरों में भी भक्तों का तांता लगा रहा। कई श्रद्धालु महाकाल के दर्शन के लिए भी पहुंचे। इंदौर में रणजीत हनुमान, बड़ा गणपति और अन्नपूर्णा मंदिर में भी खासी भीड़ देखने को मिली।

सुबह से जागरूक रही ट्रैफिक पुलिस

नए साल के जश्न में शहर की महिला ट्रैफिक पुलिसकर्मियों ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई जिन्होंने शहर के प्रमुख चौराहों पर वाहन चलाने के दौरान सावधानी बरतने की अपील की। यातायात नियमों का पालन करने, शराब पीकर वाहन न चलाने और हेलमेट पहनने की चेतावनी भी दी।

रात 12 बजते ही शुरू हुआ रक्तदान

साथ ही, शहर के युवा रक्तदान कार्यक्रमों में भी सक्रिय रूप से शामिल हुए। सामाजिक कार्यकर्ता अशोक नायक ने भी %आओ नया साल मनाएं किसी की जिंदगी बचाकर% कार्यक्रम की शुरुआत की।

सांस्कृतिक वैविध्य ही हमारी पहचानः मुख्यमंत्री डॉ. यादव

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भारत विभिन्न धर्मों, समाजों, भाषाओं और संस्कृतियों का देश है। सब मिलकर यहां सद्भावपूर्वक रहते हैं। सांस्कृतिक वैविध्य ही हमारी संस्कृति की पहचान है। हमारी आस्था और जीवन मूल्य हमें विकास की ओर ले जाते हैं। योग, तप, साधना और साहचर्य से जीवन का समग्र विकास की शिक्षा सिर्फ भारतीय संस्कृति ही सिखाती है। समाज में जनजागृति लाने में महर्षियों की बड़ी अहम भूमिका रही है। महर्षि श्री बालीनाथ जी बैरवा उन्हीं में से एक थे। वे परम संत थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को उज्जैन में महर्षि श्री बालीनाथ जी बैरवा जयंती कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जो असंभव दिखता है, वो केवल सनातन धर्म में ही संभव है। महर्षि बालीनाथ जी ने समाज की कुरीतियों, रूढ़ियों और बुराइयों को खत्म किया और सबको सद्मार्ग की ओर ले जाने का काम किया। उन्होंने बालीनाथ जी की स्मृति में देश के दूरदराज से आए बैरवा समाजजन का अभिनंदन करते हुए कहा कि इस प्रदेश स्तरीय सामाजिक कार्यक्रम में आकर वे बेहद प्रसन्न हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने श्री अखिल जूनवाल द्वारा लिखित पुस्तक भीम वंदना का विमोचन भी किया। इसके बाद बैरवा समाज की बाईक रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कार्यक्रम में राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कौशल विकास एवं रोजगार विभाग एवं उज्जैन जिले के प्रभारी मंत्री गौतम टेटवाल, अखिल भारतीय बैरवा समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेश जारवाल, लालाराम बैरवा, राधेश्याम बैरवा, मुकेश टेटवाल, सी.एल. बैरवा, प्रभुराम सहित अन्य समाजजन उपस्थित थे।

अगले साल होगी राज्य स्तरीय पंचायत

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरकार अगले साल बैरवा समाज की राज्य स्तरीय पंचायत का आयोजन करेगी। इसमें देश के विभिन्न अंचलों में रह रहे बैरवा समाजजनों को आमंत्रित किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में हो रहे औद्योगिक विकास में बैरवा समाज के उद्योगपति और व्यवसायियों को जोड़कर बैरवा समाज का सर्वांगीण विकास करेगी। उन्होंने कहा कि बैरवा समाज के बच्चे खूब पढ़ें, लिखें और आगे बढ़ें, इसके लिए सरकार हर जरूरी प्रयास और सहयोग भी करेगी।

सरकार पूरे ब्याज सहित मिल मजदूरों को उनका हक दिलाएगी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि महर्षि बालीनाथ जी के बताए मार्ग से प्रेरणा लेकर हमारी सरकार गरीबों के जीवन में उजाला लाने और उनके कष्टों का निवारण करने का प्रयास कर रही है। हमारी सरकार ने उज्जैन की विनोद मिल के मजदूरों का संकट खत्म किया, उन्हें उनके सभी हक दिलाए। इंदौर की हुकुमचंद मिल के मामले का भी समाधान किया। हम ग्वालियर की जेसी मिल्स के मजदूरों को भी उनका हक दिलाने की ओर आगे बढ़ रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की ऐसी सभी बंद मिलों, जिनके मजदूरों को उनका हक अब तक नहीं मिल पाया है, सरकार पूरे ब्याज सहित उन मिल मजदूरों को उनका वाजिब हक दिलाएगी। मिशन मोड में किया जा रहा गरीब, युवा, किसान और नारी कल्याण मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में हमारी सरकार प्रदेश में गरीब, युवा, किसान, महिला और सभी जरूरतमंदों का कल्याण अभियान मिशन मोड में चलाया जा रहा है। प्रदेश में रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए हमारी सरकार कटिबद्ध होकर प्रयास कर रही है। विकास के लाभ से किसी को भी वंचित नहीं रहने दिया जाएगा। सबके सपने साकार करने के लिए हम हर जरूरी कदम उठाएंगे।

महापौर ने किया स्वच्छता का औचक निरीक्षण

स्वच्छता में लापरवाही बरतने पर झोनल अधिकारियों ,कर्मचारियों पर जताई नाराजगी

इंदौर। कल मंगलवार तड़के सुबह महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने स्कीम नंबर 140 का औचक निरीक्षण कर स्वच्छता का जायज़ा लिया, इस अवसर पर महापौर ने अपनी जिम्मेदारी से काम करने वाले कर्मचारियों की पीठ थपथपाकर उनका हौसला बढ़ाया साथ ही काम में लापरवाही और अनदेखी करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों पर नाराजगी जाहिर की,महापौर द्वारा औचक निरीक्षण के अवसर पर स्थानीय पार्षद राजीव जैन भी उपस्थित रहे महापौर ने औचक निरीक्षण के दौरान स्थानीय रहवासियों से चर्चा भी की ,स्थानीय रहवासियों ने क्षेत्र में आंशिक समस्याओं को लेकर महापौर को अवगत कराया जिस पर महापौर द्वारा झोनल अधिकारी को निर्देश दे कर रहवासियों के कार्यों को को गंभीरता से पूर्ण करने के लिए कहा।

यूनियन कार्बाइड के जहरीले कचरे पर महापौर पुष्यमित्र भार्गव का बयान

इंदौर। यूनियन कार्बाइड के जहरीले कचरे को पीथमपुर के पास स्थित राम की फैक्ट्री में नष्ट करने की योजना का विरोध जोर पकड़ रहा है। अब इस विरोध को इंदौर के महापौर पुष्यमित्र भार्गव का भी समर्थन मिल गया है महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने इस मामले पर गंभीरता से पुनर्विचार की आवश्यकता जताई है। उन्होंने कहा कि शासन स्तर के अधिकारियों से चर्चा करके इस प्रक्रिया पर रोक लगाने और न्यायालय से इस विषय पर पुनर्विचार की अपील की जा सकती है। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि पीथमपुर की जनता के विचारों और चिंताओं को ध्यान में रखना बेहद जरूरी है।ज्ञात हो की भोपाल गैस त्रासदी के 40 साल बाद यूनियन कार्बाइड फैक्ट्री से 377 मीट्रिक टन खतरनाक कचरे को हटाने का काम शुरू हो गया है. मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के आदेश पर बंदी पड़ी फैक्ट्री के कचरे को निपटान के लिए ग्रीन कॉरिडोर बनाकर भोपाल से ग्रीन कॉरिडोर बनाकर 250 किमी दूर इंदौर के पास पीथमपुर ले जाया जाएगा।

एयरलाइंस को अब विदेशी यात्रियों की जानकारी भारतीय कस्टम विभाग को देना अनिवार्य

विदेश यात्रा का खर्च, यात्री ने किस मार्फ़त किया है अब सरकार तक पहुंचेगा उसका भी ब्यौरा

इन्दौर। विदेशी यात्रियों की आवाजाही पर सख्ती और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए भारतीय कस्टम विभाग ने नया नियम लागू करने की घोषणा की है, इस नियम के तहत, 1 अप्रैल 2025 से सभी एयरलाइंस को अनिवार्य रूप से विदेशी यात्रियों की विस्तृत जानकारी भारतीय कस्टम विभाग के साथ साझा करनी होगी।

क्या है नया नियम?

यह नियम भारतीय कस्टम विभाग के ÷एडवांस पैसेंजर इंफॉर्मेशन सिस्टम÷ के तहत लागू किया जाएगा,नए नियमों के मुताबिक अंतरराष्ट्रीय उड़ान प्रस्थान से 24 घंटे पहले मोबाइल नंबर और पैसे भुगतान के तरीकों की जानकारी सीमा शुल्क विभाग के अधिकारियों के साथ साझा करनी होगी। इसके अलावा यात्रा कार्यक्रम का विवरण भी देना होगा। इसका उद्देश्य विदेश से आने-जाने वाले यात्रियों की पहचान को पहले से सत्यापित करना और संभावित सुरक्षा खतरों को कम करना है. एयरलाइंस को प्रस्थान और आगमन से पहले यात्रियों का नाम, पासपोर्ट नंबर, यात्रा मार्ग, टिकट की जानकारी, और अन्य प्रासंगिक विवरण भारतीय कस्टम विभाग को भेजना होगा।

नियम का पालन न करने पर सजा

नए नियम का उल्लंघन करने वाली एयरलाइंस पर कड़ी कार्रवाई का प्रावधान किया गया है. कस्टम विभाग ने स्पष्ट किया है कि यदि कोई एयरलाइन निर्धारित समय सीमा के भीतर जानकारी साझा करने में विफल रहती है, तो उसे भारी जुर्माना भुगतना पड़ सकता है, जुर्माने की राशि का निर्धारण अभी प्रक्रिया में है, लेकिन यह लाखों रुपये तक हो सकती है, जानकारी साझा करनी होगी उसमें यात्री का नाम, बिलिंग / भुगतान जानकारी (क्रेडिट कार्ड नंबर), टिकट जारी करने की तारीख, इच्छित यात्रा, पीएनआर में अन्य यात्रियों के नाम, पीएनआर के लिए यात्रा कार्यक्रम शामिल हैं। इसके अलावा, ईमेल आईडी, मोबाइल नंबर, ट्रैवल एजेंसी का विवरण मांगे जाने पर ये सूचनाएं भी देनी होंगी। बैगेज और कोड शेयर (जब एक एयरलाइन किसी अन्य एयर कैरियर की उड़ान पर सीटें बेचती है) जैसी जानकारी भी साझा करनी होगी।

होम्योपैथ डॉक्टर की हत्या का मामला

अंतिम संस्कार कार्यक्रम से पत्नी और उसके घरवाले गिरफ्तार, प्रेमी ने करवाई थी हत्या

इंदौर। इंदौर में होम्योपैथ डॉक्टर सुनील साहू की हत्या का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। इस वारदात को डॉक्टर की पत्नी सोनाली साहू के प्रेमी, उज्जैन निवासी संतोष शर्मा ने अंजाम दिलवाया। उसने भाड़े के दो हत्यारों के साथ मिलकर इस हत्या की साजिश रची। पुलिस ने हत्या में इस्तेमाल कार उज्जैन से बरामद की है। जब पुलिस आरोपी को पकड़ने उसके घर पहुंची, तो वह छत से कूदकर फरार हो गया।

शुक्रवार को हुई थी हत्या- घटना शुक्रवार रात 10.40 बजे जीवन धारा हेल्थ क्लिनिक में हुई, जहां तीन नकाबपोश बदमाशों ने डॉक्टर पर गोली चला दी। पुलिस ने घटनास्थल और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले, जिससे पता चला कि हत्यारे सफेद कार में आए थे। हत्या के बाद वे टोल नाकों से बचते हुए इंदौर की गलियों में कार घुमाते रहे और फिर उज्जैन पहुंचे।

पत्नी का वकील से था प्रेम प्रसंग- पुलिस जांच में पता चला कि डॉक्टर की पत्नी सोनाली साहू का संतोष शर्मा के साथ प्रेम संबंध था। सोनाली एक आईटी कंपनी में काम करती है और संतोष वकील है। सोनाली ने पूछताछ में स्वीकार किया कि संतोष से उसकी दोस्ती कई वर्षों से थी। हालांकि, वह शादीशुदा था और उसका 19 वर्षीय बेटा भी है। इसके बावजूद वह सोनाली पर शादी के लिए दबाव डालता था। सोनाली के अनुसार, वह केवल अवैध संबंध बनाए रखना चाहती थी, लेकिन संतोष ने दो सुपारी किलर्स की मदद से डॉक्टर की हत्या की योजना बनाई।

छत से कूदकर भागा

एसीपी रुबीना मिजवानी ने बताया कि वारदात के बाद संतोष ने सोनाली और उसके परिवार को जानकारी दी थी। हत्या के बाद संतोष अपने घर उज्जैन चला गया। पुलिस जब वहां पहुंची, तो वह छत से कूदकर भाग गया। डीसीपी विनोद कुमार मीना के नेतृत्व में पुलिस टीम उसकी तलाश में उत्तरप्रदेश रवाना हो चुकी है।

अंतिम संस्कार से गिरफ्तार किया

डॉक्टर की पत्नी सोनाली और उनके परिजनों को पुलिस ने कुंभराज (गुना) से हिरासत में लिया, जहां वे अंतिम संस्कार में शामिल होने गए थे। उनके मोबाइल और संतोष के घर से मिले सबूतों की जांच की जा रही है। पुलिस सोनाली की इस षड्यंत्र में भूमिका और उसकी संलिप्तता की जांच कर रही है।

देश के एयरपोर्ट्स पर नौकरी दिलाने के नाम पर धोखाधड़ी, एएआई ने जारी की चेतावनी

इंदौर। देश के एयरपोर्ट्स पर नौकरी दिलाने के नाम पर धोखाधड़ी के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं, जहां फर्जी वेबसाइट और लिंक के माध्यम से ठगी की जा रही है। लोग खुद को एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एएआई) का अधिकारी बताकर नौकरी के इच्छुक व्यक्तियों से पैसे वसूल रहे हैं। इन धोखाधड़ी के मामलों को बढ़ते हुए देखकर एयरपोर्ट अथॉरिटी ने अपनी वेबसाइट और सोशल मीडिया पेजों पर चेतावनी जारी की है। एएआई ने बताया कि ऐसे धोखेबाज फर्जी वेबसाइट और पेज बनाकर लोगों को यह विश्वास दिलाने की कोशिश कर रहे हैं कि वे एयरपोर्ट अथॉरिटी के अधिकारी हैं और नौकरी दिलाने के नाम पर पैसे मांग रहे हैं।

नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी- एएआई ने आवेदकों से अपील की है कि वे ऐसे किसी भी फर्जी व्यक्ति या वेबसाइट के झांसे में न आएं। यदि किसी को एयरपोर्ट अथॉरिटी में नौकरी के लिए आवेदन करना है, तो उन्हें सिर्फ एयरपोर्ट अथॉरिटी की आधिकारिक वेबसाइट पर ही जाना चाहिए। इस वेबसाइट पर सभी नियुक्तियों से संबंधित विज्ञापन और आवेदन प्रक्रिया की जानकारी दी जाती है। आवेदकों को आवेदन शुल्क केवल इस वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन जमा करना होता है, जो सिर्फ सामान्य और ओबीसी पुरुष उम्मीदवारों से लिया जाता है। इसके अलावा, किसी भी अन्य शुल्क का भुगतान नहीं किया जाता। यदि कोई व्यक्ति किसी फर्जी वेबसाइट या व्यक्ति के संपर्क में आकर पैसे देता है तो इसके लिए वह खुद जिम्मेदार होगा।

थाने में दर्ज करवाएं तुरंत शिकायत- एएआई ने ठगी का शिकार हुए लोगों से यह भी अपील की है कि वे अपनी शिकायतें नजदीकी पुलिस थाने में तुरंत दर्ज कराएं। इंदौर में भी एयरपोर्ट पर या एयरलाइंस में नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी के कई मामले सामने आ चुके हैं और इन मामलों में शिकायतें भी दर्ज की गई हैं। हालांकि, अब तक इस प्रकार के ठगी के मामलों में कोई बड़ी कार्रवाई सामने नहीं आई है। एयरपोर्ट अधिकारियों ने कहा कि देशभर में एयरपोर्ट पर निकाली जाने वाली नौकरियों के लिए आवेदक आसानी से आधिकारिक वेबसाइट से जानकारी प्राप्त कर सकते हैं, जिससे वे ठगी का शिकार होने से बच सकते हैं।

जनसुनवाई में आ रही समस्याओं के समय-सीमा में निराकरण की विशेष व्यवस्था

आवेदकों को अपनी समस्याओं के निराकरण के लिए नहीं होना पड़े परेशान- कलेक्टर आशीष सिंह ने दिए अधिकारियों को निर्देश

इंदौर। प्रति मंगलवार की तहत इस मंगलवार भी कलेक्टर कार्यालय में जनसुनवाई सम्पन्न हुई। कलेक्टर आशीष सिंह ने आवेदकों की समस्याओं को गंभीरता से सुनकर उनका सहानुभूतिपूर्वक निराकरण किया। साथ ही अन्य अधिकारियों ने कलेक्ट्रेट कार्यालय के सभाकक्ष और अपने-अपने कक्षों में भी नागरिकों की समस्याओं को सुना और उनका मौके पर ही निराकरण किया। कलेक्टर आशीष सिंह ने बताया कि आवेदकों की समस्याओं का प्राथमिकता के साथ समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जा रहा है। यह तय किया गया है कि आवेदकों की समस्याओं के समय-सीमा में निराकरण को सुनिश्चित करने के लिए विशेष व्यवस्था के तहत उनके प्रकरण सीएम हेल्पलाइन में दर्ज किए जा रहे हैं। समय-सीमा में निराकरण किया जा रहा है। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए है कि वे हर हाल में समय-सीमा में समस्याओं का निराकरण करें। अपनी समस्याओं के निराकरण के लिए आवेदकों को भटकना नहीं पड़े। एक बार में ही समस्या निराकृत हो जाए। दर्ज समस्या के निराकरण के लिए उन्हें दोबारा नहीं आना पड़े। आवेदकों से जरूरत पड़ने पर संपर्क कर तत्काल समस्या का निराकरण करें। आज सम्पन्न हुई जनसुनवाई में कलेक्टर आशीष सिंह ने पुष्पा बाई को 15 हजार रुपये की मदद तत्काल स्वीकृत की। उसने बताया कि मेरे दो लड़के हैं और वे दोनों ही दिव्यांग है। बड़ा बेटा बीमार रहता है। इलाज के लिए पैसे की जरूरत है। इसको देखते हुए कलेक्टर ने उक्त सहायता स्वीकृत की। इसी तरह परदेशीपुरा की लक्ष्मी बाई को भी इलाज के लिए 10 हजार रुपये की मदद दी गई। विष्णु बाई ने बताया कि मैं ग्राम खजूरिया में रहती हूँ। मेरे पति दिव्यांग है। परिवार का भरण-पोषण मेरे उपर ही निर्भर है। मुझे ?सिलाई का कार्य आता है। अगर सिलाई मशीन मिल जाएगी, तो मेरा रोजगार बढ़ जाएगा। अच्छी आय होगी। कलेक्टर ने तुरंत सिलाई मशीन स्वीकृत की। इसी तरह मोहन सिंह को पत्नी के इलाज के लिए 10 हजार रुपये की मदद स्वीकृत की गई। बर्नाड एंथोनी को भी 10 हजार रुपये तत्कालीक मदद दी गई। इसी प्रकार ग्राम केलोद की सुन्दर बाई पति धर्मेन्द्र को 15 हजार रुपये की मदद दी गई। जनसुनवाई में आज भी बड़ी संख्या में संपत्ति, पारिवारिक, धोखाधड़ी सहित अन्य समस्?याएं भी आयी जिनका यथासंभव निराकरण किया गया।

आयुक्त द्वारा जनसुनवाई-पेंशन योजना में केवायसी के पश्चात भी प्रकरण का निराकरण नहीं करने पर संबंधित के वेतन से करे पेंशन भुगतान

इंदौर। आयुक्त शिवम वर्मा द्वारा निगम मुख्यालय में कल मंगलवार को जनसुनवाई की गई। उक्त क्रम में आज निगमायुक्त द्वारा स्वयं अपने कक्ष में निगम के समस्त अपर आयुक्त, उपायुक्त, सहायक आयुक्त, अधीक्षण यंत्री एवं विभाग प्रमुख के साथ जनसुनवाई की गई। इस अवसर पर आयुक्त द्वारा जनसुनवाई मे प्राप्त आवेदनो को तत्काल निराकरण करने के भी निर्देश दिये गये। आयुक्त श्री वर्मा द्वारा जनसुनवाई के दौरान गंगादेवी नगर निवासी श्रीमती मधुबाला जैन पति खुशहाल चंद जैन ने आवेदन किया कि उन्हे जनवरी 2024 से अक्टूबर 2024 तक सामाजिक सुरक्षा वृद्धावस्था पेंशन योजना का लाभ नही मिला है, जबकि श्रीमती मधुबाला द्वारा पेंशन संबंधित केवाईसी भी किया गया, इसके पश्चात भी पेंशन नही मिलने पर आयुक्त श्री वर्मा ने संबंधित विभाग प्रमुख को निर्देशित किया कि श्रीमती मधुबाला जैन का केवाईसी के पश्चात भी समाजिक सुरक्षा वृद्धावस्था पेंशन जारी नही कि जाती है तो संबंधित अधिकारी/कर्मचारी के वेतन से आवेदक को पेंशन का भुगतान किया जावेगा। जनसुनवाई के दौरान सेवानिवृत्त सफाई मित्र ने आवेदन किया कि सेवानिवृत्ति के पश्चात भी स्वास्थ्य स्थापना विभाग में सफाई मित्र कर्मचारी के रेकार्ड उपलब्ध नही होने के कारण उनके अवकाश नगदीकरण नही हो पा रहा है, इस पर आयुक्त ने स्वास्थ्य स्थापना प्रमुख को निर्देशित किया कि सेवानिवृत्त सफाई मित्र कर्मचारी के रिकॉर्ड ट्रेस करे और समय सीमा में आवेदक को अवकाश नकदीकरण का लाभ मिले यह सुनिश्चित करे, अन्यथा स्वास्थ्य स्थापना में भी जो जिम्मेदार अधिकारी व कर्मचारी होगा उसके विरूद्ध सख्त कार्यवाही की जावेगी।

जनसुनवाई के दौरान वृद्ध माता ने आवेदन किया कि उनके बेटे जितेन्द्र का विगत दिनो एमवाय अस्पताल में अकास्मिक मुर्त्यु हो गई है, जिसका मुर्त्यु प्रमाण पत्र आज दिनांक तक प्राप्त नही हुआ है, इस पर आयुक्त श्री वर्मा द्वारा आवेदक को मृर्त्यु प्रमाण पत्र एमवाय अस्पताल से ही प्राप्त होने की जानकारी देते हुए, संबंधित विभाग प्रमुख एमवाय अस्पताल प्रबंधक से चर्चा कर मुर्त्यु प्रमाण पत्र जारी करने के भी निर्देश दिये गये। इसके पश्चात जनसुनवाई मे आवेदक अशोक जैन महालक्ष्मी नगर रहवासी विकास सह. संस्था मर्यादित ने आवेदन किया कि शिवालय कालोनी बिजलपुर में निवासरत रहवासियों ने कालोनाइजर कमल कुमार बुलचंद मखीजा, मुहम्मद खम्बाती, सैफुदीन खम्बाती शिव रियल मार्ट प्राइवेट लिमिटैड से कालोनी में प्लॉट क्रय किये थे तथा कालोनाजर द्वारा कालोनी विकसित होने तक कालोनी का संधारण कार्य किया जावेगा और इसकी राशि भी कालोनाइजर द्वारा रहवासियों से ली गई, किंतु इसके पश्चात भी कालोनाइजर द्वारा डेनेज लाइन, कालोनी की बाउंण्डीवॉल, नर्मदा लाइन, इलेक्ट्रिक लाईट, रोड, मंदिर, पेव्हर ब्लॉक, गार्डन सिक्योरिटी गार्डन आदि कार्य अपूर्ण किये गये, उक्त स्थिति को दृष्टिगत रखते हुए, आयुक्त वर्मा द्वारा जनसुनवाई के दौरान संबंधित विभाग प्रमुख को उक्त शिकायत का निराकरण करने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये।

आयुक्त द्वारा निगम मुख्यालय स्थित कक्ष में जनसुनवाई की गई, जन सुनवाई के दौरान नागरिको द्वारा 34 आवेदन आयुक्त महोदय के समक्ष प्रस्तुत किये गये, आयुक्त द्वारा नागरिको को समक्ष में सुना गया तथा प्राप्त आवेदन को आयुक्त कार्यालय में जनसुनवाई के दौरान उपस्थित अपर आयुक्त, उपायुक्त, सहायक आयुक्त व विभाग प्रमुख को तत्काल प्रेषित कर नियमानुसार कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये।

दैनिक सद्भावना पाती
इंदौर, बुधवार 01 जनवरी , 2025

संपादकीय | 2008 की मंदी के बाद सबसे बड़ी गिरावट

विदेशी मुद्रा भंडार और डालर के मुकाबले रुपए की कीमत में गिरावट आर्थिक विकास की दृष्टि से गंभीर चिंता का विषय है। डालर के मुकाबले रुपए की विनिमय दर लंबे समय से नीचे का रुख किए हुए है। अब विदेशी मुद्रा भंडार भी तेजी से घटना शुरू हो गया है। बीते सप्ताह शुक्रवार को इसमें 8.48 अरब डालर की कमी दर्ज की गई। यह 2008 की मंदी के बाद अब तक की सबसे बड़ी गिरावट है। इसके पिछले हफ्ते भी 1.99 अरब डालर की गिरावट दर्ज हुई थी। सितंबर में विदेशी मुद्रा भंडार बढ़ कर 704.88 अरब अमेरिकी डालर के अपने सर्वाधिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था। मगर उसके बाद इसमें लगातार कमी दर्ज हो रही है। अब विदेशी मुद्रा भंडार गिर कर 644.87 अरब अमेरिकी डालर पर पहुंच गया है। हालांकि यह स्तर अभी चिंताजनक नहीं माना जा सकता, मगर जिस तरह निरंतर इसमें गिरावट दर्ज हो रही है, वह अर्थव्यवस्था के लिए चिंता का विषय है। विदेशी मुद्रा भंडार गिरने का अर्थ है कि अपेक्षित विदेशी निवेश नहीं आ पा रहा। इसकी वजह भी साफ है। अमेरिकी डालर लगातार मजबूत हो रहा है, जिसके चलते विदेशी निवेशक भारत से अपना पैसा निकाल कर लगाने लगे हैं। दुनिया के कारोबार में डालर की स्थिति अहम भूमिका निभाती है। डालर कमजोर होता है, तो विदेशी निवेशक दूसरे देशों का रुख करने लगते हैं। मगर जैसे ही डालर मजबूत होने लगता है, वे अमेरिकी बाजार का रुख कर लेते हैं। कोरोना के बाद मंदी की मार झेल रहे अमेरिका के फेडरल रिजर्व ने अपने यहां ब्याज दरों में बदलाव किए। इससे निवेशकों को वहां निवेश करने के लिए आकर्षित

करने में मदद मिली। फिर, डोनाल्ड ट्रंप के दुबारा राष्ट्रपति चुने जाने और आर्थिक नीतियों को लेकर उनके बयानों से निवेशकों में विश्वास जगा है कि निवेश की दृष्टि से अमेरिका ज्यादा फायदेमंद जगह है। इसका असर भारत के मुद्रा भंडार पर भी पड़ा है। मगर केवल यही कारण प्रमुख नहीं है। सबसे अहम बात है कि हमारा व्यापार घाटा लगातार बढ़ रहा है। निर्यात पर जोर देने के बावजूद इसमें बेहतरी के संकेत नजर नहीं आ रहे। आयात लगातार बढ़ रहा है। इसका सीधा असर घरेलू उत्पादन और बाजार पर पड़ रहा है। यह अकारण नहीं है कि पिछली कुछ तिमाहियों से विनिर्माण क्षेत्र हिचकोले खाता नजर आ रहा है। सभी महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों में औद्योगिक उत्पाद गिरा है। जब तक इस क्षेत्र में मजबूती नहीं आएगी, तब तक रुपए की कीमत और विदेशी मुद्रा भंडार में बेहतरी की उम्मीद धुंधली बनी रहेगी। रुपए की कीमत गिरने से विदेशी निवेशकों का उत्साह भी कम होता है। कोई भी निवेशक ऐसी जगह अपना पैसा नहीं लगाना चाहता, जहां उसे मुनाफा न हो। फिर तमाम कोशिशों के बावजूद महंगाई अपने उच्च स्तर पर बनी हुई है, जिसके चलते भारतीय बाजार में चमक नहीं लौट पा रही। इसका बड़ा कारण प्रति व्यक्ति आय में बढ़ोतरी न हो पाना है। पिछले कई सालों से लोगों की आय यथावत बनी हुई है, जबकि उसकी तुलना में महंगाई काफी बढ़ चुकी है। जाहिर है, इसके चलते उपभोक्ता व्यय घटा है। ऐसी स्थिति में स्वाभाविक ही सकल घरेलू उत्पाद यानी जीडीपी की दर नीचे गई है। जब तक मानव विकास के मोर्चे पर गंभीरता से ध्यान नहीं दिया जाएगा, तब तक तदर्थ उपायों से अर्थव्यवस्था में बेहतरी लाने की कोशिशें नाकाम ही साबित होंगी।

केलेण्डर 2025 का विमोचन

इंदौर। श्री माहेश्वरी युवा संगठन पूर्वी क्षेत्र, इंदौर के द्वारा प्रकाशित केलेण्डर 2025 का विमोचन यूथ एंटरप्रेन्योर सावन लड्ढा, उद्योगपति रोहित सोमानी एवं निर्मलकान्त बागड़ी के कर कमलों से सम्पन्न हुआ। संगठन के अध्यक्ष मधुरम् राठी ने बताया इस केलेण्डर में माहेश्वरी समाज के तीज-त्योहारों की जानकारी के साथ वल्लभ सम्प्रदाय एवं रामानुज सम्प्रदाय की तिथियों का भी समावेश है। बैंक की छुट्टियों को अलग रंग से दर्शाया गया है। कैलेंडर प्रकाशन में सहयोग के लिए सभी विज्ञापनदाताओं एवं युवा साथियों का आभार मंत्री अरविंद करनाणी ने माना। कार्यक्रम में राकेश लखोटिया, शैलेष सोड़ानी, प्रकाश लखोटिया, उज्जवल चांडक, सुयश साबू, प्रशांत बिहानी, मनोज राठी, सुमित होलानी, विकास मूंदड़ा आदि युवा साथी उपस्थित थे।

मानसिक उथल-पुथल के नाजुक दौर से गुजर रहे बच्चे

अगर माता-पिता अपने बच्चे को वक्त बर्बाद न करने और पढ़ाई करने की हिदायत देते हैं, तो यह बच्चों के हित में ही होता है। मगर विडंबना है कि आजकल बहुत सारे बच्चों में ऐसी प्रवृत्ति देखी जा रही है, जो उनके भावनात्मक या मानसिक रूप से बेहद कमजोर होने का संकेत देती है। बहुत मामूली बातों पर किसी बच्चे के भीतर इतना गुस्सा उभरता है कि या तो वह प्रतिक्रिया स्वरूप अपने सामने के किसी व्यक्ति को या फिर खुद को ही नुकसान पहुंचा देता है।पिछले कुछ समय से अक्सर ऐसी खबरें सामने आने लगी हैं, जिनमें अभिभावक ने अपने बच्चे को पढ़ाई करने के लिए थोड़ा डांटा तो बच्चा इस कदर तनाव में आ गया कि उसने आत्महत्या कर ली।

आज का कार्टून

दूरगामी लाभ का निर्णय है जिलों की समाप्ति का निर्णय

> भजन लाल शर्मा ने पूर्व सरकार द्वारा गठित नए जिलों के गठन का प्रशासनिक दृष्टि से परीक्षण करवाया और इसमें कोई दो राय नहीं कि शुरुआत में इन जिलों और संभागों को समाप्त करने के निर्णय का विरोध हो पर यह विरोध इसलिए अधिक असर नहीं दिखा पाएगा कि आमनागरिक यह अच्छी तरह से समझता है कि अधिक और छोटे जिले बनने से सरकारी खर्चे अधिक बढ़ने के अलावा कोई खास प्राप्त होने वाला नहीं है। नए जिलों के लिए शुरुआती दौर में ही एक जिले के लिए कम से कम एक हजार करोड़ की व्यवस्था करनी होगी। जिला कलक्टर और जिला पुलिस एसपी के दफ्तर तो तत्काल शुरु करने के साथ ही अन्य विभागों के भी दफ्तर जिला स्तर पर खोलने से ही वास्तविक लाभ प्राप्त हो सकता है। अब इसे यों देखा जाए कि इस सबके लिए कितना बड़ा प्रशासनिक अमला तैयार करना होगा, कितनी अधिक आधारभूत सुविधाएं विकसित करनी होगी।

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

राजनीतिक लाभ हानि से जुड़े निर्णयों को बदलना किसी भी लोकतांत्रिक सरकार के लिए जोखिम से कम नहीं होता। इस तरह के निर्णय करने में सरकारों को काफी संकोच करना पड़ता है क्योंकि किसी भी निर्णय को बदलते समय राजनीतिक गुणाभाग देखा जाता है और यही कारण है कि कई निर्णय ऐसे होते हैं जिनके लाख चाहने और प्रशासनिक दृष्टि से सही नहीं होने पर भी सरकारें ढ़ोये जाती है। इस मायने में राजस्थान की सरकार की सराहना करनी पड़ेगी कि राजनीतिक दृष्टि से निर्णय लेना मुश्किल व जोखिम भरा होने के बावजूद मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने पूर्व सरकार के समय के जिले बनाने के निर्णय का परीक्षण कर 9 जिले और 3 संभाग समाप्त करने का निर्णय लेने में कोई हिचकिचाहट नहीं दिखाई। अब प्रदेश में 41 जिले और 7 संभाग रह गए हैं। दूदू, केकड़ी, शाहपुरा, नीम का थाना, अनूपगढ़, गंगापुरसिटी, जयपुर ग्रामीण, जोधपुर ग्रामीण और सांचौर जिला और बांसवाड़ा, सीकर और पाली संभाग को समाप्त करने का निर्णय ले लिया। निश्चित रुप से शुरुआत में इसका विरोध होगा, राजनीति से जुड़े लोगों द्वारा हवा भी दी जाएगी पर जब कोई दूरगामी जनहित का निर्णय लिया जाता है तो देर सबेर जनता उसे स्वीकार्य भी कर लेती है। राज्य सरकार द्वारा यही निर्णय नई सरकार बनते ही लिया जाता तो उसके मायने कुछ अलग होते और उस पर राजनीतिक द्वेषता का ठप्पा लगता वह अलग होता। आज भले ही विपक्ष द्वारा इस निर्णय पर प्रश्न उठाये जा रहे हो पर सही मायने में देखा जाए तो यह पूरी तरह से प्रशासनिक निर्णय है। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने पूर्व सरकार के नए जिले बनाने के निर्णय का परीक्षण करने के लिए भारतीय प्रशासनिक सेवा के पूर्व वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी डा. ललित पंवार की अध्यक्षता में समिति गठित कर परीक्षण करवाया और फिर राजनीतिक स्तर पर मंत्रीमण्डलीय समिति बनाकर सभी पक्षों का अध्ययन कर रिपोर्ट आने पर मंत्रीमण्डल की बैठक में मोहर लगाई गई। इसलिए एक बात तो साफ हो जानी चाहिए कि यह निर्णय किसी भी मायने में जल्दबाजी या राजनीतिक लाभ के लिए ना होकर पूरी तरह से प्रशासनिक दक्षता के लिए लिया गया निर्णय है। ना ही इसे जल्दबाजी में लिया निर्णय कहा जा सकता है। हांलाकि पूर्व सरकार ने नए जिले बनाने के लिए भले ही प्रशासनिक कमेटी बनाकर रिपोर्ट प्राप्त कर नए जिले बनाने का निर्णय किया पर यह सब अच्छी तरह से साफ हो जाना चाहिए कि चुनाव नजदीक होने के कारण पूर्व सरकार द्वारा नए जिले बनाने के निर्णय को आमलोगों ने पूरी तरह से राजनीतिक निर्णय के रुप में ही देखा गया।

भजन लाल शर्मा ने पूर्व सरकार द्वारा गठित नए जिलों के गठन का प्रशासनिक दृष्टि से परीक्षण करवाया और इसमें कोई दो राय नहीं कि शुरुआत में इन जिलों और संभागों को समाप्त करने के निर्णय का विरोध हो पर यह विरोध इसलिए अधिक असर नहीं दिखा पाएगा कि आमनागरिक यह अच्छी तरह से समझता है कि अधिक और छोटे जिले बनने से सरकारी खर्चे अधिक बढ़ने के अलावा कोई खास प्राप्त होने वाला नहीं है। नए जिलों के लिए शुरुआती दौर में ही एक जिले के लिए कम से कम एक हजार करोड़ की व्यवस्था करनी होगी। जिला कलक्टर और जिला पुलिस एसपी के दफ्तर तो तत्काल शुरु करने के साथ ही अन्य विभागों के भी दफ्तर जिला स्तर पर खोलने से ही वास्तविक लाभ प्राप्त हो सकता है। अब इसे यों देखा जाए कि इस सबके लिए कितना बड़ा प्रशासनिक अमला तैयार करना होगा, कितनी अधिक आधारभूत सुविधाएं विकसित करनी होगी। जिला कलक्टर और जिला पुलिस एसपी के दफ्तर तो तत्काल शुरु करने के साथ ही अन्य विभागों के भी दफ्तर जिला स्तर पर खोलने से ही वास्तविक लाभ प्राप्त हो सकता है। इसका असर भारत के मुद्रा भंडार पर भी पड़ा है। मगर केवल यही कारण प्रमुख नहीं है। सबसे अहम बात है कि हमारा व्यापार घाटा लगातार बढ़ रहा है। निर्यात पर जोर देने के बावजूद इसमें बेहतरी के संकेत नजर नहीं आ रहे। आयात लगातार बढ़ रहा है। इसका सीधा असर घरेलू उत्पादन और बाजार पर पड़ रहा है। यह अकारण नहीं है कि पिछली कुछ तिमाहियों से विनिर्माण क्षेत्र हिचकोले खाता नजर आ रहा है। सभी महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों में औद्योगिक उत्पाद गिरा है। जब तक इस क्षेत्र में मजबूती नहीं आएगी, तब तक रुपए की कीमत और विदेशी मुद्रा भंडार में बेहतरी की उम्मीद धुंधली बनी रहेगी। रुपए की कीमत गिरने से विदेशी निवेशकों का उत्साह भी कम होता है। कोई भी निवेशक ऐसी जगह अपना पैसा नहीं लगाना चाहता, जहां उसे मुनाफा न हो। फिर तमाम कोशिशों के बावजूद महंगाई अपने उच्च स्तर पर बनी हुई है, जिसके चलते भारतीय बाजार में चमक नहीं लौट पा रही। इसका बड़ा कारण प्रति व्यक्ति आय में बढ़ोतरी न हो पाना है। पिछले कई सालों से लोगों की आय यथावत बनी हुई है, जबकि उसकी तुलना में महंगाई काफी बढ़ चुकी है। जाहिर है, इसके चलते उपभोक्ता व्यय घटा है। ऐसी स्थिति में स्वाभाविक ही सकल घरेलू उत्पाद यानी जीडीपी की दर नीचे गई है। जब तक मानव विकास के मोर्चे पर गंभीरता से ध्यान नहीं दिया जाएगा, तब तक तदर्थ उपायों से अर्थव्यवस्था में बेहतरी लाने की कोशिशें नाकाम ही साबित होंगी।

खत्म हो रही अलाव की दुनिया...

> आज इंसान और आग के रिश्ते के बारे में सोचने को अतीतजीवी हो जाने के तौर पर देखा जाता है। शायद यह जैसा है, उसे स्वीकार करके आगे बढ़ने का इशारा है, लेकिन मनुष्यता की आत्मा का एक हिस्सा उसकी अतीत की स्मृतियों में दबा होता है। जिसने अपने अतीत की स्मृतियों को घूरे पर डाल दिया, उसने अपने भीतर की मनुष्यता में एक गहरा घाव लगा दिया। इसलिए हमें ऐसा करने से बचना चाहिए। बहरहाल, आग और किस्सों के रिश्ते पर फिर से लौटें तो न केवल भारत में, बल्कि दुनिया के दूसरे कई मुल्कों में भी हमें इसके जीवंत प्रमाण आज भी देखने को मिल जाएंगे।

घनश्याम कुमार देवांश

अलाव क्या खत्म हुए, गांव, कस्बों और शहरों से पूरी की पूरी एक दुनिया ही खत्म हो गई लगती है। लगभग चार महीनों की सर्दी का मौसम इंसान अलाव पर आग की ओर हाथ फैलाए किस्से-कहानियां सुनते-सुनाते काट लेता था। चाहे कितनी ही गरीबी क्यों न हों, लोगों को दिन में अपने हिस्से का सूरज और रात को अपने हिस्से की आग मिल ही जाती थी। इतनी लकड़ियां भी कहीं न कहीं मिल ही जाती थीं। गांवों में बच्चों की पलटन को चरागाह से सूखी लकड़ियां और कंडे बीनने का काम मिल जाता था। और मजेदार बात ये थी कि ये कम भी नहीं पड़ते थे, गोया प्रकृति सबका हिस्सा अलगाकर बचाकर रख लिया करती थी। और शाम को जब अलाव जलता तो सबके चेहरे अलग ही तरह से खिल उठते।

धीरे-धीरे घर-चौपाल पर पड़े सब पीढ़े, टाट-बोरियां, कुर्सियां, मूढ़े इकट्ठे हो जाते थे। बच्चों में इस बीच थोड़ी धींगा-मुश्ती भी चलती, ताकि उन्हें बैठने की सबसे अच्छी जगह मिल सके। अंधेरा घिरता तो हमारे समाज के बुजुर्ग भी आग के किनारे सिमट आते। आग और बुजुर्ग, दोनों जैसे एक दूसरे को शोभायमान करते। बच्चे इधर से उधर और उधर से इधर होते रहते। जहां पहले मन रम जाता, वहां टिक जाते। घंटे दो घंटे में हम बच्चों की आंखों में नींद उतर आती। आग में आलू और शकरकंदियां दबाई जातीं, जो सुबह अग्नि देवता के प्रसाद की तरह हम बच्चों को मिल जाती थीं। अलबत्ता कुछ प्रसादी रात को ही निपटाई जा चुकी होती, लेकिन हम एक उत्साहपूर्ण कौतुक से सुबह-सुबह उस गुनगुनी राख को कुरेदना नहीं भूलते। उन आलुओं और शकरकंदियों के स्वाद की तुलना और किस चीज से की जा सकती है, यह मैं आज तक नहीं जान पाया हूं। कभी-कभी मटर की फलियां भी आग में दबाई जाती थीं। उनकी मिठास के भी क्या कहने ! किस्से सुनना और सुनाना तो आग के किनारे ही बैठकर सीखा। आग के किनारे बैठकर किस्से सुनते-सुनते किस्सागो बन जाने के भी उदाहरण मिल जाएंगे। इस दौरान भोर होने से लेकर दिन निकलने के बीच कितनी देर तक और फिर शाम ढलते ही रात के सोने तक कब और कितना सुना और सुनाया जाता था, किसी को अंदाजा भी नहीं लग पाता था। आज भी जब इतिहास और सभ्यता के पन्नों को पलटा जाए तो सर्दियों में आग का अहसास पूरी मनुष्यता में ऐसा फैला नजर आता है कि जिसके कभी न होने की कल्पना भी मुश्किल है। आग और नदियां ऐसी चीजें हैं, जिनका किनारा इंसान अभी तक खोजता आया है। जहां-जहां ये किनारे मिले, वहां-वहां मनुष्य का जीवन पनप गया। जब आग से उसकी दोस्ती हो गई, तब उसे कोई किल्लत नहीं रही। संसार का कौन-सा किनारा ऐसा है, जहां वह नहीं बसा? हिमालय की चोटियों से लेकर विशाल मैदानों तक।

आज इंसान और आग के रिश्ते के बारे में सोचने को अतीतजीवी हो जाने के तौर पर देखा जाता है। शायद यह जैसा है, उसे स्वीकार करके आगे बढ़ने का इशारा है, लेकिन मनुष्यता की आत्मा का एक हिस्सा उसकी अतीत की स्मृतियों में दबा होता है। जिसने अपने अतीत की स्मृतियों को घूरे पर डाल दिया, उसने अपने भीतर की मनुष्यता में एक गहरा घाव लगा दिया। इसलिए हमें ऐसा करने से बचना चाहिए। बहरहाल, आग और किस्सों के रिश्ते पर फिर से लौटें तो न केवल भारत में, बल्कि दुनिया के दूसरे कई मुल्कों में भी हमें इसके जीवंत प्रमाण आज भी देखने को मिल जाएंगे। इंटरनेट पर जाकर खोजा जाएगा, तो ऐसी न जाने कितनी तस्वीरें सरलता से मिल जाएंगीं। सर्दी हो और आग हो तो अपने आप उसके किनारे देर तक बैठे रह सकते हैं। यह देर तक बैठना दिमाग की रचनात्मकता को वैसे ही कुरेदता है जैसे गीली मिट्टी किसी बीज के भीतर सोए पौधे को कुरेदती है। संसार की न जाने कितनी कथाओं का जन्म इसी आग के किनारे हुआ होगा। हमने आग को सिर्फ भोजन और सुरक्षा से जोड़कर देखा, लेकिन उसकी आंच में पकने वाली मनुष्यता और कहानियों को भूल गए। आज हमें इस रिश्ते को फिर से जगाने की जरूरत है। हमें उन जगहों को फिर से निर्मित करना होगा, जहां इंटरनेट और आधुनिक तकनीकी की दुनिया से दूर हम शांत मन से एक दूसरे की आंखों और आत्मा में झांक सकें और उन कहानियों को सुन सकें जो मन के भीतर दबी विलुप्त हुई जा रही हैं। हमें किस्सों की उस संस्कृति को बिना नष्ट किए बचाना होगा और उसे आने वाली पीढ़ी को हस्तांतरित करना होगा। उपयोगितावादी शायद इसकी उपयोगिता पर सवाल खड़ा करेंगे, लेकिन इसे टाला नहीं जा सकता, क्योंकि जब कभी उन्हें मनुष्यता की विरासत में उतरकर अपने मूल्यों को खोजने की जरूरत पड़ेगी तो इसके लिए उन्हें न केवल आग, बल्कि इन किस्सों की भी जरूरत पड़ेगी। मनुष्यता वृक्ष विज्ञान और नवाचार के जरिए सभ्यता रूपी आकाश की ऊंचाइयों को तो छू सकता है, लेकिन उसकी गहरी जड़ों के लिए इसी मिट्टी की जरूरत है जो आग, पानी और किस्सों में रची-बसी है। मनुष्यता को अपना अस्तित्व अक्षुण्ण रखने के लिए धरती के ऊपर और नीचे यह संतुलन साधना ही होगा।

गौतम अडानी ने साल जाते-जाते बना दिया कमाई का रिकॉर्ड, रईसी में मुकेश अंबानी के करीब पहुंचे

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत समेत दुनियाभर के शेयर बाजारों में गिरावट रही। इस कारण दुनिया के टॉप 20 अमीरों में से 17 की नेटवर्थ में गिरावट देखने को मिली। केवल गौतम अडानी, अमेरिका के लैरी एलिसन और एनवीडिया के फाउंडर जेंसन हुआंग की नेटवर्थ में तेजी रही। शेयर बाजार में गिरावट के बावजूद अडानी ग्रुप के अधिकांश शेयरों में सोमवार को तेजी रही। इससे अडानी की नेटवर्थ में 3.48 अरब डॉलर की तेजी आई। वह 80.1 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में एक स्थान ऊपर चढ़कर 18वें नंबर पर पहुंच गए। अडानी सोमवार को दुनिया में सबसे ज्यादा कमाई करने वाले शख्स रहे। वैसे इस साल उनकी नेटवर्थ में 4.23 अरब डॉलर की गिरावट आई है।

अडानी टोटल गैस में सोमवार को 11.20 फीसदी तेजी रही जबकि ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज का शेयर 7.65 प्रतिशत तेजी के साथ बंद हुआ। अडानी पावर में 6.46 प्रतिशत, अडानी ग्रीन एनर्जी में 2.31 परसेंट और अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस में 2.46 परसेंट की तेजी रही। इसके साथ ही अडानी भारत और एशिया के सबसे बड़े रईस मुकेश अंबानी के करीब पहुंच गए हैं। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन अंबानी की नेटवर्थ में 64.7 करोड़ डॉलर की गिरावट आई। वह 90.6 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 17वें नंबर पर हैं। इस साल उनकी नेटवर्थ में 5.73 अरब डॉलर की गिरावट आई है।

कौन-कौन हैं टॉप 10 में- दुनिया के सबसे बड़े रईस एलन मस्क की नेटवर्थ में सोमवार को 9.83 अरब डॉलर की गिरावट आई और अब वह 442 अरब डॉलर रह गई है। ऐमजॉन के फाउंडर जेफ बेजोस 241 अरब डॉलर के साथ दूसरे नंबर पर हैं। फेसबुक के फाउंडर मार्क जकरबर्ग 209 अरब डॉलर के साथ तीसरे, लैरी एलिसन (193 अरब डॉलर) चौथे, बर्नार्ड आरनॉल्ट (176 अरब डॉलर) पांचवें, लैरी पेज (170 अरब डॉलर) छठे, सर्गेई ब्रिन (160 अरब डॉलर) सातवें, बिल गेट्स (160 अरब डॉलर) आठवें, स्टीव बालमर (148 अरब डॉलर) नौवें और वॉरेन बफे (142 अरब डॉलर) दसवें नंबर पर हैं।

अडानी विल्मर से 25 साल बाद अलग होगा अडानी ग्रुप

बाजार खुलते ही कंपनी के शेयरों में 7 प्रतिशत से अधिक गिरावट

नईदिल्ली, एजेंसी। एफएमसीजी कंपनी अडानी विल्मर का शेयर आज बाजार खुलते ही 7 प्रतिशत से अधिक गिर गया। अडानी ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज ने 2 अरब डॉलर की डील के जरिए विल्मर इंटरनेशनल के साथ अपने 25 साल पुराने जॉइंट वेंचर से बाहर निकलने की घोषणा की है। इससे आज कंपनी का शेयर बाजार खुलते ही धड़ाम हो गया। बीएसई पर यह 7.5 प्रतिशत से अधिक गिरावट के साथ 303.70 रुपये पर आ गया। इसका 52 हफ्ते का उच्चतम स्तर 408.70 रुपये और न्यूनतम स्तर 279.20 रुपये है। अडानी एंटरप्राइजेज के शेयरों में भी करीब दो फीसदी गिरावट आई है। अडानी ग्रुप इस डील से मिलने वाली रकम से एनर्जी, यूटिलिटीज, ट्रांसपोर्ट और लॉजिस्टिक्स सहित अपने कोर इन्फ्रास्ट्रक्चर बिजनस को मजबूत करना चाहता है। सिंगापुर की कंपनी विल्मर इस वेंचर में अडानी की जगह लेने के लिए रणनीतिक निवेशकों की तलाश कर रहा है। अडानी ग्रुप इस कंपनी में में अपनी लगभग 44 प्रतिशत हिस्सेदारी दो हिस्सों में बेचने की योजना बना रहा है। वह पहले पब्लिक शेयरहोल्डिंग के नियमों को पूरा करने के लिए लगभग 13 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचेगा। प्रमोटरों के पास अभी कंपनी में 88 प्रतिशत हिस्सेदारी है। विल्मर ग्रुप बाकी 31 प्रतिशत हिस्सेदारी का अधिग्रहण करेगा। इससे कंपनी में उसकी हिस्सेदारी 44 प्रतिशत से बढ़कर लगभग 75 प्रतिशत हो जाएगी।

शेयरों का भाव- एक्सचेंज नोटिफिकेशन के अनुसार अडानी ग्रुप अपनी 31 प्रतिशत हिस्सेदारी विल्मर को 305 रुपये प्रति शेयर की कीमत पर बेचेगी। सूत्रों के मुताबिक अडानी एंटरप्राइजेज लगभग उसी कीमत पर बाजार में 13 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचेगी। पिछले सत्र में अडानी विल्मर का शेयर 0.17 प्रतिशत की मामूली गिरावट के साथ 329.50 रुपये पर बंद हुआ था जबकि अडानी एंटरप्राइजेज के शेयरों में 7.65 प्रतिशत तेजी आई थी। सुबह 10 बजे अडानी एंटरप्राइजेज का शेयर 2.11 प्रतिशत के साथ 2538.60 रुपये पर ट्रेड कर रहा था जबकि अडानी विल्मर 7.53 प्रतिशत की गिरावट के साथ 304.70 रुपये पर था।

एक्सिस बैंक के एक स्टाफ ने क्रेड को 12.5 करोड़ का चूना लगा दिया

नईदिल्ली, एजेंसी। क्रेडिट कार्ड के पेमेंट का प्लेटफॉर्म क्रेड का आपने नाम सुना है? इसे साल 2018 में कुणाल शाह ने बेंगलुरु में ड्रीम प्लगपे टेक सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड के नाम से शुरू किया था। इस समय कंपनी के करीब 60 लाख यूजर्स बताए जाते हैं। देश में जितने क्रेडिट कार्ड हैं, उनमें से करीब 20 फीसदी कार्ड का बिल पेमेंट इसी प्लेटफॉर्म के जरिए होता है। इसी क्रेड के साथ पिछले दिनों ठगी हो गई। साइबर अपराधियों के एक समूह ने पिछले दिन इसके खाते से 12.5 करोड़ रुपये निकाल लिए। यह बात बीते नवंबर की है। क्रेड के अधिकारी रूटीन बैंक अकाउंट का मिलान कर रहे थे। तभी उन्हें 12.5 करोड़ रुपये का हिसाब मिलता नहीं दिखा। इसके बाद मामले की जांच की गई। तब पता चला कि 29 अक्टूबर 2024 से 11 नवंबर 2024 के बीच 17 अनऑथराइज्ड ट्रांजेक्शन किए गए थे। इन ट्रांजेक्शन से 12.5 करोड़ रुपये की रकम संदिग्ध खातों में भेजे गए थे। इसके बाद इस घटना की जानकारी एक्सिस बैंक और पुलिस को दी गई।

पुलिस ने क्या पाया- इस मामले की शिकायत बेंगलुरु के ईस्ट सीईएन क्राइम पुलिस स्टेशन में की गई थी। पुलिस जांच में पता चला कि इस मामले में एक्सिस बैंक की अंकलेश्वर शाखा की लिप्तता है। धोखाधड़ी की इस घटना का मास्टरमाइंड गुजरात में एक्सिस बैंक का रिलेशनशिप मैनेजर 33 वर्षीय वैभव पिटाडिया निकला। उस पर क्रेड के कॉर्पोरेट खाते की कमजोरियों का फायदा उठाने के लिए अपने अंदरूनी ज्ञान का उपयोग करने का आरोप है। बेंगलुरु में एक्सिस बैंक की इंदिरानगर शाखा द्वारा प्रबंधित क्रेड के खाते में हर रोज 2 करोड़ रुपये से अधिक का लेनदेन होता है।

कैसे दिया धोखाधड़ी को अंजाम- पुलिस अधिकारियों ने खुलासा किया कि आरोपियों ने ड्रीम प्लगपे टेक सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड के तहत क्रेड के नोडल खाते से जुड़े दो निष्क्रिय कॉर्पोरेट खातों की पहचान की। इसे सक्रिय कराने के लिए बोर्ड के प्रस्तावों सहित जाली दस्तावेजों का उपयोग करते हुए, नेहा बेन को एमडी के रूप में पेश किया। एक्सिस बैंक से इन खातों में बदलाव का अनुरोध किया गया। उसने गुजरात में एक्सिस बैंक की अंकलेश्वर शाखा में फर्जी कॉर्पोरेट इंटरनेट बैंकिंग फॉर्म और सहायक दस्तावेज जमा किए, जिससे अद्यतन संपर्क विवरण के साथ एक नया यूजर अकाउंट बनाने में मदद मिली।

वित्त मंत्री ने उद्योग जगत के प्रतिनिधियों के साथ की पांचवीं बजट पूर्व बैठक

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को नई दिल्ली में उद्योग प्रतिनिधियों के साथ पांचवीं बजट-पूर्व परामर्श बैठक की अध्यक्षता की। यह बैठक आगामी केंद्रीय बजट 2025-26 की तैयारियों के हिस्से के रूप में आयोजित की गई। इस बैठक में वित्त मंत्री ने उद्योग जगत के प्रतिनिधियों से सुझाव लिए। इन सुझावों से सुनिश्चित किया जाएगा कि आगामी बजट प्रमुख आर्थिक प्राथमिकताओं और क्षेत्रीय चुनौतियों को संबोधित करे। वित्त मंत्रालय ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि केंद्रीय वित्त और कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने नई दिल्ली में आगामी केंद्रीय बजट 2025-26 के संबंध में उद्योग प्रतिनिधियों के साथ पांचवें बजट-पूर्व परामर्श बैठक की अध्यक्षता की। मंत्रालय के अनुसार, वित्त सचिव, निवेश और सार्वजनिक संपत्ति प्रबंधन विभाग के सचिव और आर्थिक मामलों के विभाग और उद्योग व आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग के सचिवों सहित वरिष्ठ अधिकारी बैठक में मौजूद थे। भारत सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार ने बैठक के दौरान अर्थव्यवस्था पर अपने विचार रखे।बजट पूर्व परामर्श बैठक बजट को आकार देने से जुड़ा आवश्यक कदम है।

2024 के टॉप-4 स्टॉक्स, निवेशक हो गए मालामाल, 2025 में भी करेंगे कमाल?

नईदिल्ली, एजेंसी। अगर आपके पास 2024 में ये 5 शेयर होते तो आप भी मालामाल हो गए होते। इन शेयरों ने साल 2024 में बंपर रिटर्न दे दिया है। इनमें सबसे पहला नाम है जीई टी एंड डी इंडिया का। इस शेयर ने पिछले एक साल में 307 पर्सेंट से अधिक का रिटर्न दिया है। एक साल में इसने अपने हर निवेशक को प्रति शेयर 1538 रुपये का मुनाफा कमवाया है। दूसरा नाम केएफआइएन टेक्नोलॉजीज का है, जिसने एक साल में 215 पर्सेंट से अधिक का रिटर्न

दिया है। इसी क्रम में मोतीलाल ओसवाल ने 203, ओरेकल ने 199 और अनंत राज ने 191 पर्सेंट से अधिक का रिटर्न दिया है। आइए इन शेयरों की डिटेल एनॉलिसिस पर नजर डालें..

जीई टी एंड डी इंडिया- यह स्टॉक आज दोपहर एक बजे के करीब 2 पर्सेंट से अधिक नुकसान के साथ 2051.50 रुपये पर ट्रेड कर रहा था। करीब 52731 करोड़ के मार्केट कैप वाले इस स्टॉक का पीई रेशियो 132.42 है। इसने पिछले एक साल में 307 फीसद से अधिक का रिटर्न दिया है। तीन साल में इसने 1435 और 5 साल में 1293 पर्सेंट से अधिक का रिटर्न दिया है।

इस स्टॉक को लेकर एक्सपर्ट्स भी बुलिश हैं। कुल 5 एनालिस्ट्स में से 2 ने स्ट्रांग बाय और 3 ने बाय रेटिंग दी है। किसी ने भी होल्ड या बेचने की सिफारिश नहीं की है।

केएफआइएन टेक्नोलॉजीज- केफिन के शेयरों में भी आज गिरावट है। आज करीब 3 फीसद टूटकर यह 1534 रुपये के आसपास ट्रेड कर रहा था। इसका पीई रेशियो 87.47 है। 26174 करोड़ रुपये है। पिछले 3 साल में इसने 218 पर्सेंट से अधिक रिटर्न दिया है।

क्या करें

इस स्टॉक को लेकर कुल 12 में से दो विश्लेषकों ने स्ट्रांग सेल की सिफारिश की है। 3 एनालिस्ट ने स्ट्रांग बाय और 5 ने रेटिंग दी है। दो अन्य ने होल्ड की सिफारिश की है।

मोतीलाल ओसवाल

साल में अच्छा रिटर्न देने वाले शेयरों में से एक मोतीलाल ओसवाल आज 1.39 पर्सेंट नीचे 952.15 रुपये पर ट्रेड कर रहा है। 16.66 पीई रेशियो वाले इस स्टॉक ने पिछले एक साल में 200 से अधिक और 3 साल में 300 फीसद से अधिक का रिटर्न दिया है और पिछले 5 साल में करीब 400 पर्सेंट का बंपर रिटर्न देकर अपने निवेशकों को मालामाल कर दिया है।

क्या करें

कुल चार एनॉलिस्ट में से दो ने स्ट्रांग बाय की सलाह दी है। एक विश्लेषक ने होल्ड और एक ने बाय की सिफारिश की है।

ओरेकल फाइनेंशियल सर्विसेज सॉफ्टवेयर

ओरेकल भी आज करीब दो फीसद नीचे है। आज 12695 रुपये पर ट्रेड कर रहा है। इसने भी पिछले इस साल दो सौ फीसद से अधिक रिटर्न दिया है। पिछले 3 साल में इसने 220 और पांच साल में 362 पर्सेंट चढ़ा है। 109710 करोड़ रुपये के मार्केट कैप वाले इस स्टॉक का 52 हफ्ते का हाई 13220 और लो 4280 रुपये है।

NEET UG 2025: Syllabus Released For National Eligibility Cum Entrance Test

The National Testing Agency has released the syllabus for the National Eligibility cum Entrance Test (NEET) UG - 2025 on its official website. Candidates who wish to appear in the exam can visit the official website of the NTA to check the complete list of the syllabus. The detailed syllabus include description of topics from subjects Physics, Chemistry and Biology for the NEET UG 2025

An official notification by the NTA reads, "The National Testing Agency (NTA) hereby brings to the attention of all stakeholders, especially aspiring candidates, that the syllabus for the National Eligibility cum Entrance Test (NEET) UG - 2025 has been finalised by the Under Graduate Medical Education Board (UGMEB), National Medical Commission (NMC). As per the Public Notice No. U-14023/19/2023-UGMEB, dated 14-12-2024, issued by NMC, the detailed syllabus for NEET (UG) 2025 has been published and is available on the official website of NMC for public reference. The same is attached as Annexure-1. Candidates preparing for NEET (UG) 2025 are advised to refer to this syllabus for their preparation."

NTA has been conducting the NEET (UG) since 2019 with the approval of the Ministry of Health and Family Welfare and the Ministry of Education.

CSIR NET December 2024 Registration Extended

The National Testing Agency (NTA) has announced an extension for the registration deadline for the Council of Scientific and Industrial Research-University Grants Commission National Eligibility Test (CSIR-UGC NET) December 2024 session, according to a Times Now report. As per the official notice issued on December 30, candidates now have until January 2 to complete their applications. Aspiring candidates who have not yet registered are strongly advised to do so promptly to avoid any last-minute technical issues. Applications submitted after the extended deadline will not be accepted under any circumstances.

Dates

Last Date for Online Application Submission: Extended to 2 January 2025 (11:50 PM).

Last Date for Payment of Fee: Extended to 3 January 2025 (11:50 PM).

Correction Window for Application Forms: Now open from 4 January 2025 to 5 January 2025 (11:50 PM). For any issues during the registration process, candidates can contact NTA's help desk at 011-40759000 / 011-69227700 or email csirnet@nta.ac.in. Further updates and details can be found on the official website. The CSIR-UGC NET is a crucial examination for candidates aspiring for Junior Research Fellowships, Assistant Professor roles, and Ph.D. admissions in Indian universities and colleges.

आरबीआई की रिपोर्ट: बैंकों का सकल एनपीए घटकर 12 साल के निचले स्तर पर पहुंचा, क्रेडिट कार्ड बकाया 55 प्रतिशत तक बढ़ा

नईदिल्ली, एजेंसी। कर्ज चूक में कमी से बैंकों का सकल एनपीए (बुरा फंसा कर्ज) अनुपात इस वर्ष सितंबर में एक साल पहले की तुलना में घटकर 12 साल के निचले स्तर 2.6 फीसदी पर आ गया है। इसके बावजूद, कृषि क्षेत्र में बुरा फंसा कर्ज सबसे ज्यादा 6.2 फीसदी पर बना हुआ है। पर्सनल लोन श्रेणी में क्रेडिट कार्ड बकाया में 55.3 फीसदी तक की बढ़ोतरी हुई है।

आरबीआई की रिपोर्ट- भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की सोमवार को जारी वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट के मुताबिक, कृषि के बाद सितंबर में उद्योग में सकल एनपीए 2.9 फीसदी, सेवा में 2.5 व पर्सनल लोन क्षेत्र में 1.2 फीसदी रहा। हालांकि, एक साल पहले की तुलना में इन सभी क्षेत्रों के सकल एनपीए में गिरावट आई है। रिपोर्ट बताती है कि सभी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों (एससीबी) में क्रेडिट कार्ड बकाया सितंबर में 21.9 फीसदी रहा। सरकारी बैंकों में यह सबसे ज्यादा 55.3 फीसदी, निजी बैंकों में 21.3 फीसदी और विदेशी बैंकों में 23.1 फीसदी रहा। आवासीय कर्ज में 14.8, ऑटो लोन में 15.9 और शिक्षा कर्ज में 42.6 फीसदी तक वृद्धि रही।

Company Secretary Examination Schedule Out For June 2025 Session

The Institute of Company Secretaries of India (ICSI) has released the schedule for the Company Secretary Exam to be held in June 2025. The schedule has been released for Executive, Professional (2017) and Professional (2022). The exam will be conducted from June 1- June 10, 2025.

Schedule of the CS Executive Programme

- June 1, 2025: Jurisprudence, Interpretation and General Laws (Group 1)
- June 2, 2025: Capital Market and Securities Laws (Group 2)
- June 3, 2025: Company Law and Practice (Group 3)
- June 4, 2025: Economic, Commercial and Intellectual Property Laws (Group 2)
- June 5, 2025: Setting Up of Business, Industrial and Labour Laws (Group 1)
- June 6, 2025: Tax Laws and Practice (Group 2)
- June 8, 2025: Corporate Accounting and Financial Management (Group 1)

CS Professional Programme (Syllabus 2017)

- June 1, 2025: Governance, Risk Management, Compliances and Ethics (Module – I)
- June 2, 2025: Secretarial Audit, Compliance Management and Due Diligence (Module – II)
- June 3, 2025: Corporate Funding and Listings in Stock Exchanges (Module – III)
- June 4, 2025: Advanced Tax Laws (Module I)
- June 5, 2025: Corporate Restructuring, Insolvency, Liquidation and Winding – up (Module – II)
- June 6, 2025: Multidisciplinary Case Studies - [Open Book Exam] (Module – III)
- June 8, 2025: Drafting, Pleadings and Appearances (Module – I)
- June 9, 2025: Resolution of Corporate Disputes, Non– Compliances and Remedies (Module – II)
- June 10, 2025: Elective 1 out of below 5 subjects [Open Book Exam.] (Module – III)

Professional Programme (Syllabus 2022)

- June 1, 2025: Environmental, Social and Governance (ESG) – Principles and Practice (Group-1)
- June 2, 2025: Strategic Management and Corporate Finance (Group-2)
- June 3, 2025: Drafting, Pleadings and Appearances (Group-1)
- June 4, 2025: Corporate Restructuring, Valuation and Insolvency (Group-2)
- June 5, 2025: Compliance Management, Audit and Due Diligence (Group-1)
- June 6, 2025: Elective 2 (one out of 5 subjects) [Open Book Exam] (Group-2)
- June 8, 2025: Elective 1 (one out of 4 subjects) [Open Book Exam] (Group-1)

ICAI To Conduct Overseas Campus Placements From January 24-25

The Institute of Chartered Accountants of India (ICAI) will conduct the overseas campus placements for students from January 24-25, 2025. ICAI has recently concluded the 60th Campus Placement Programme for Chartered Accountants (CAs) who passed May 2024 examination. The programme was conducted in physical mode across nine major centers: Ahmedabad, Bengaluru, Chennai, Hyderabad, Jaipur, Kolkata, Mumbai, Delhi, and Pune, along with 20 smaller centers nationwide. Nearly 241 organisations participated in the placement process. Jobs were offered to 4,782 professionals, of which 3,705 accepted the offer. The highest salary for domestic posting was awarded for Rs 26.70 lakh per annum. The average salary recorded to the candidates was Rs 12.49 lakh per annum.

"This year has been a landmark achievement, witnessing the highest-ever participation of 240 companies, the largest batch of newly qualified Chartered Accountants (CAs), and record-breaking salary offers, making it the most remarkable placement season in ICAI's history," said CCM Chairman CMI & B Khandelwal on X (formerly Twitter).

A two-day Orientation Programme was organised to prepare candidates for interviews, focusing on key themes like industry trends, communication skills, fintech, AI, and more with the highest number of participants ever. Industry leaders provided mentorship and mock interviews to help candidates confidently navigate their career paths. The participants highly appreciated this initiative. The Campus placement programme are held twice a year. ICAI also conducts placements for experienced CAs. As per the institute, it serves as a dynamic bridge between Newly Qualified Chartered Accountants (NQCAs) and organisations seeking top talent to meet their human resource needs. It is a one-stop destination for both NQCAs and employers, offering a vast pool of promising professionals.

The CA Final group 1 exams took place on May 2, 4, and 8, and group 2 exams on May 10, 14, and 16.

अलग-अलग टाइम जोन के अनुसार होंगे दुनिया भर में उत्सव...

दुनिया भर में नए साल का जश्न एकता और विविधता का प्रतीक है, जहां हर देश अपनी-अपनी सांस्कृतिक धरोहर, परंपराओं और टाइम जोन के अनुसार नए साल का स्वागत करता है।

जैसे-जैसे वर्ष 2024 का समापन हो रहा है, दुनिया भर में लोग नए साल का स्वागत करने के लिए तैयार हो रहे हैं।
दुनिया के सभी हिस्सों में अलग-अलग समय पर नए साल की शुरुआत होती है जिससे दुनिया भर में नववर्ष के स्वागत की एक अनूठी श्रृंखला बन जाती है।

किरिसमास द्वीप सबसे पहले करता है वेलकम...

सबसे पहले नए साल का स्वागत किरिसमास द्वीप में होगा जो क्रिसमस आइलैंड भी कहलाता है। यह द्वीप किरीबास गणराज्य का हिस्सा है। इसके बाद न्यूजीलैंड के टोंगा और चाथम द्वीपों पर पारंपरिक समारोह और शानदार आतिशबाजी के साथ नया साल मनाया जाता है। यहां की सांस्कृतिक विविधता और पारंपरिक रिवाज नए साल के जश्न को और भी खास बना देते हैं।

आखिरी स्थान, बेकर और हाउलैंड द्वीप

विश्व में नए साल का अंतिम जश्न बेकर और हाउलैंड द्वीपों पर मनाया जाएगा, जो अमेरिका के पास स्थित गैरनिवासी क्षेत्र हैं। इन द्वीपों की भौगोलिक स्थिति के कारण यह दुनिया के अंतिम स्थान हैं जहां नया साल मनाया जाएगा। टाइम जोन में अंतर की वजह से दुनिया में कुछ देशों में नए साल का स्वागत लगभग 26 घंटे के अंतराल पर होता है।

ये देश भारत से पहले मनाते हैं नया साल

टाइम जोन में अंतर के कारण कुछ देश भारत से बहुत पहले नए साल का स्वागत करते हैं। इनमें किरीबास, सामोआ, टोंगा, न्यूजीलैंड, रूस, फिजी, ऑस्ट्रेलिया, पापुआ न्यू गिनी, इंडोनेशिया, जापान, दक्षिण कोरिया, उत्तर कोरिया, चीन, मलेशिया, सिंगापुर, वियतनाम, थाईलैंड, म्यांमार, बांग्लादेश, कजाकिस्तान, भूटान, नेपाल शामिल हैं। इसके बाद भारत का नंबर आता है।

फिर आया नया वर्ष

लीजिये, हंसता और मुस्कुराता, खिलखिलाकर नव उल्लास बिखराता, निराशा को भगाता और आशा को बटोरता नया वर्ष फिर से आ गया। पशु हो या पक्षी, मानव हो या वनस्पति; सब पुराने के जाने पर दुखी होते हैं; पर वह दुख नवआगत के स्वागत के कारण धूमिल भी हो जाता है। यही सृष्टि का नियम है, इसलिए आज सब खुश है। आखिर क्यों न हों, नया साल जो आया है।

दोस्तों, हर देश व संस्कृति में अलग अलग तारीख में नया वर्ष मनाये जाने की परम्परा पहले से ही चली आ रही है.लोग अलग अलग तरीके से इस आयोजन को मानते है, जैसे कोई दारू पीता है तो कोई पार्टी करता है, कही लोगो व्यर्थ में बैठे रहते है तो कोई मजे के नाम पर समय व पैसो की बर्बादी करता है.लेकिन कुछ लोग खुद में सुधार के लिए अच्छा काम भी करते है लेकिन समय बीतने के साथ ही वह अपने संकल्पों को जान-बूझकर तोड़ देते है और पुराने ढर्रे पर ही वापस आ जाते है. एक साल में ही 'ढाक के तीन पात' वाली स्थिति नजर आने लगती है। वैसे भी किसी नयी शुरुआत के लिए नये साल या किसी मुहूर्त की प्रतीक्षा ही क्यों करना? इस बार हम नये साल क्या हर साल व हर क्षण को सार्थक करने के कुछ सरल तरीके बता रहे हैं जिसमे आपको अपने अंदर कुछ ज्यादा बदलाव करने की जरूरत नहीं है बल्कि आपको इन्हें तुरंत ही तन-मन-धन से भी अधिक ध्यान से अपनाने की जरूरत होगी.

कमाई और खर्चो का लेखा-जोखा रखें

दोस्तों, इस नव वर्ष में आपको सबसे पहले अपने खर्चे व होने वाली कमाई का एक लेखा जोखा जरुर रखना चाहिए.एक ऐसा लेखा जोखा बनायें जिसमें हर दिन के हिसाब से अपने प्रत्येक छोटे-से-छोटे खर्चे का भी उल्लेख करें किन्तु ध्यान रखें कि किसी को बुरा न लगे या किसी पर किया गया खर्चा 'अहसान जताने' जैसा न हो.हो सके तो ऐसा लगे भी ना ! आप अपना लेखा जोखा शुरू करोगे तो आपको अपने व्यर्थ खर्चो को न्यूनतम कर सकोगे साथ ही साथ इससे आपको विलासादि जैसे व्यर्थ खर्चे न्यूनतम करते हुए शून्य करने व अच्छे काम में किये गये खर्चो को बढ़ाने में सहायता होगी।

ब्रह्ममुहूर्त में उठने की आदत बनायें

दोस्तों, हमारे लिए सुबह उठना काफी फायदेमंद होता है और इससे हमारी बॉडी तरोताजा रहती है. सुबह जल्दी उठने से हमारे पास एक्स्ट्रा टाइम भी होता है.इसलिए सुबह सूर्य की पहली किरण पहुँचने से पहले उठकर स्नान करने की आदत एक बार बना ली तो यह बात गाँठ बाँध लीजिए कि आप अपनी पुराणी स्थिति की अपेक्षा अधिक सहज रहेंगे.आपका समय-प्रबन्धन अब कुछ ठीक प्रकार से हो जायेगा व आप दिन-रात ताम-झाम में डूबी रहने वाली व टाइम नहीं है जैसी समस्याओं से दूर हो जाओगे.अब आपके पास समय ही समय होगा और अपने दिन भर के काम आप एक ही दिन में पूरे करने लगोगे.

अपनी डायरी मैण्टैन करें

टीवी.के सामने व्यर्थ बैठे रहने, शराब, धूम्रपान करने में जो आपने अपना नुकसान किया उसका सारा लेखा-जोखा, कार्य व समय इत्यादि के अनुसार प्रतिदिन इस प्रकार लिखें कि जिस दिन आप उस निरर्थकता से बचे तो आपको आनन्द आयेगा व संतोष का अनुभव होगा तथा गम्भीरता से पालन किया तो किसी दिन ऐसी स्थिति भी आ जायेगी कि आपको यह सब लिखने की जरूरत भी अनुभव नहीं होगी या आप पूरी तरह से सुधर चुके होंगे। जब भी कोई उल्लंघन करें तो अपने आप को कुछ सजा दें, जैसे कि अगले दिन चाय-काफी बिल्कुल न पीयें, कल साईकल ही चलायें, कल 10-10 मिनटस तक कम से कम तीन बार रस्सी कूदें इत्यादि। गलती को दोहराने पर सजा की मात्रा व तीव्रता बढ़ा दें ताकि स्वयं को संदेश जाये कि अबकी बार अधिक सावधानी बरतनी है, या दण्ड झेलना और कठिन हो जायेगा।

मिट्टी के दो कटोरे में डेली पानी भरे

हाट जाकर देसी मिट्टी से बने दो सकोरे लायें जिन्हें प्रतिदिन धो-धोकर एक सकोरे में पेयजल भरें व दुसरे में मिश्रित देसी साबुत अनाज को मिक्स करके रखे, स्थानीय किराना दुकान या अनाज-व्यवसायी से बोलें.समस्त देसी व साबुत अनाजों का एक मिश्रण तैयार कर दें। शहर हो या गाँव हर स्थिति-परिस्थिति में पक्षियों व गिलहरियों को स्वच्छ पेयजल व पौष्टिक व स्वादिष्ट शुद्ध भोजन की कमी की सतत पूर्ति का यह सबसे सरल उपाय है एवं हम सबके 'मनुष्य' होने को परिभाषित करता ईश्वरीय उत्तरदायित्व भी।

बीज व वृक्षारोपण करे

अपने साथ यहाँ-वहाँ से इकट्ठे किये गये बीज (जैसे सीताफल, बकायन, आम, चीकू, जामुन, शीशम) रखें जिन्हें आप आते-जाते मार्ग में

जहाँ-जहाँ या नम व कुछ सुरक्षित-सी लगने वाले भूमि में एक छोटी-सी लकड़ी से खोदकर गड़ाते चलें जिनमें से यदि 5 प्रतिशत भी पेड़ बने तो आपका समूचा प्रयास सफल ही कहा जायेगा. स्थानीय नर्सरी से कुछ ऐसे पेड़ खरीदे जो लोगों को बहुत भायेंगे, जैसे कि तेजपत्ता, दालचीनी, मीठी नीम, कपूर, गुग्गल, अमरूद, अनार, बेलपत्र, नारियल आदि, जहाँ-तहाँ पूछताछ जारी रखें व यदि कोई भूस्वामी, मकान-मालिक, मंदिर-पुजारी या दुकानदार अपने इलाके या अधिकार क्षेत्र में वह प्रजाति लगवाना चाहे तो वहाँ स्वयं अपने हाथों से लगाकर आयें व उसकी सुरक्षा व नियमित पानी देने का निवेदन भी करके आयें.

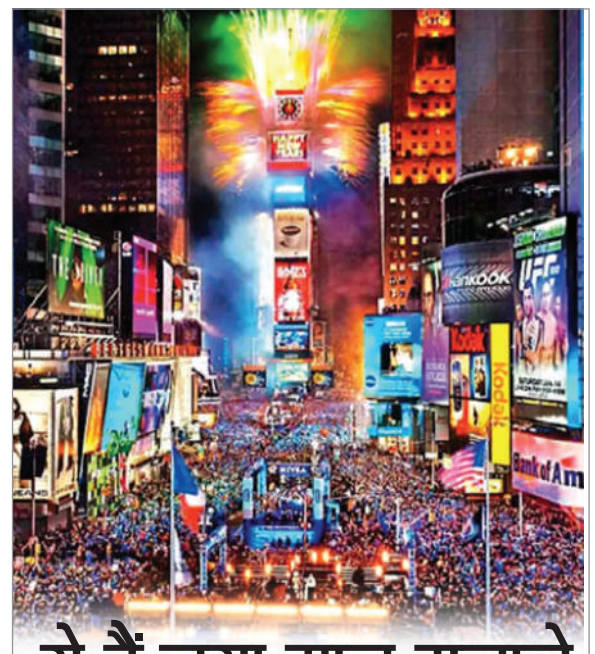

ये हैं नया साल मनाने के अनोखे तरीके

दुनियाभर में नए साल के जश्न की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। नए साल के मौके पर दुनियाभर में कई देश अनोखे तरीकों से जश्न मनाते हैं। आइए जानते है उन देशों के बारे में..

अमेरिका में ऊंचाई से तरबूज फेंककर मनाते हैं नया साल

अमेरिका में टाइम्स स्क्वायर पर नये साल का सबसे अहम जश्न होता है और सबकी निगाहे झंडे के लंबे खंभे से नीचे उतरती एक रंगीन चमकती गेंद पर होती है। अस्सल में यह नए साल के लिए काउंटडाउन का प्रतीक है। इसके बाद कई अमेरिकी शहरों में देखा जाता है कि लोग नववर्ष की पूर्व संध्या पर पारंपरिक तौर पर कुछ चीजें ऊंचाई से फेंकते हैं। मिसाल के तौर पर इंडियाना में लोग ऊंच्चाई से तरबूज फेंकते हैं।

नीदरलैंड्स में सुबह-सुबह समुद्र के पानी में डुबकी लगाकर मनाते हैं नया साल

नीदरलैंड्स में नए साल का त्योहार बहुत मजेदार होता है। यहां का सबसे अनोखा रिवाज है ठंडे पानी में नहाना। इसे न्यूववार्सडुइक कहते हैं। लोग नए साल की सुबह समुद्र में डुबकी लगाते हैं। उनका मानना है कि इससे पूरा साल अच्छा बीतता है। यहां सबसे ज्यादा लोग शेवेनिंगेन बीच पर जमा होते हैं। नीदरलैंड्स के एम्स्टर्डम शहर में नए साल की रात बहुत रंगीन होती है।

स्पेन के लोग रात 12 बजे 12 अंगूर खाकर मनाते हैं जश्न

स्पेन के लोग या तो कैनरी द्वीप में नया साल मनाते हैं या फिर राजधानी मैड्रिड शहर जाते हैं। लेकिन हर जगह अंगूर खाने का खेल जरूर होता है। रात को जब 12 बजते हैं, तब सभी लोग जल्दी-जल्दी 12 अंगूर खाते हैं। घंटी की हर आवाज पर लोगों को एक अंगूर खाना होता है। लोग मानते हैं कि ऐसा करने से नए साल में अच्छी किस्मत मिलती है। वहां के लोग इन अंगूरों को किस्मत के अंगूर कहते हैं। सभी लोग पहले बड़े चौक प्लाजा दे एस्पाना में इकट्ठा होते हैं। फिर अंगूर खाने के बाद बार में जाकर सुबह तक नाचते हैं। पूरा माहौल खुशी और मस्ती से भरा होता है।

जापान-कोरिया में 108 बार घंटी बजाकर करते हैं नए साल की शुरुआत

नए साल के स्वागत से जुड़ी परंपराओं को लेकर अगर एशियाई देशों की बात की जाए तो जापान और दक्षिण कोरिया में घंटी बजाना सबसे कॉमन बात है। जगह-जगह नए साल की पूर्व संध्या पर लोग घंटी बजाते हुए दिखते हैं। जापान में नए साल पर 108 बार घंटी बजाना शुभ माना जाता है। इसलिए नए साल पर जापान में बहुत शोर होता है।

कंबोडिया में मोमबत्ती जलाने और दान देने की परंपरा

कंबोडिया के लीग नया साल मनाने के लिए साल के पहले दिन लोग मंदिरों में जाकर मोमबत्तियां और अगरबत्तियां जलाते हैं। यहां के लोग भगवान बुद्ध की पूजा करते हैं और अपनी अच्छी किस्मत के लिए प्रार्थना करते हैं। साल के दूसरे दिन लोग गरीबों को दान देते हैं। परिवार के लोग अपने पुरखों की याद में एक खास पूजा भी करते हैं। तीसरे दिन लोग भगवान बुद्ध की मूर्तियों को और अपने बड़े-बुजुगों के पैर धोते हैं। उनका मानना है कि ऐसा करने से बुरी चीजे दूर हो जाती हैं और उन्हें अच्छी किस्मत आती है।

घर पर फैमिली के साथ ऐसे मनाएं नए साल का जश्न

नए साल का नाम सुनते ही सबसे पहले मन में आता है पार्टी। यकीनन यह एक ऐसा अवसर है, जब हर कोई पार्टी करने का मूड बनाता है। लेकिन कई बार आप चाहकर भी बाहर पार्टी करने नहीं जा पातीं। ऐसे में जरूरी नहीं है कि आप अपना मूड ऑफ़ करें। नया साल आ चुका है और अगर आप कहीं नहीं गई हैं तो घर पर रहकर आप बहुत सारे काम कर सकती हैं।

वैसे भी आपके देखने का नजरिया किसी चीज को अच्छा या बुरा बनाता है। आप बाहर जाकर यकीनन सबके साथ शोरगुल में शामिल हो सकती थीं, लेकिन तब आपको अपने परिवार के साथ नया साल मनाने का मौका नहीं मिलता। हो सकता है कि आपकी फैमिली भी आपके साथ होती, लेकिन तब भी आप उस फैमिली बॉन्डिंग के साथ नए साल का स्वागत नहीं कर पातीं। चूंकि अब आप घर पर हैं, तो आप एक शांत जगह पर अपने परिवार के साथ बेहद ही शानदार तरीके से नए साल का स्वागत कर सकती हैं और इस समय आप वह सबकुछ कर सकती हैं, जो शायद आप बाहर जाकर नहीं कर पातीं। वैसे अगर आपको समझ नहीं आ रहा है कि आप नए साल का स्वागत घर पर रहकर फैमिली के साथ किस तरह करें।

साथ में कुकिंग करें

भले ही नए साल का जश्न बाकी लोग मना चुके हों, लेकिन आप अपनी 1 जनवरी को ही न्यू ईयर पार्टी कर सकती हैं। आप उस दिन खाना बनाएं। इसकी तैयारी थोड़ा पहले से शुरू कर दें। नया साल जीवन में नई उम्मीदें लेकर आता है तो क्यों ना इस खास अवसर पर आप कुछ अलग बनाएं। आप ऐसा कुछ ट्राई करें, जो आपने पहले कभी ना बनाया हो। इसके अलावा माहौल को देखते हुए आप कुछ स्नैक्स आइटम भी तैयार कर सकती हैं। अगर आप चाहती हैं कि कुकिंग में और भी ज्यादा मजा आए तो आप इसमें फैमिली के अन्य सदस्यों जैसे अपने पार्टनर व बच्चों को भी शामिल करें।

बोन फायर पार्टी

ठंड का मौसम हो और नए साल की शाम हो, तो घर पर बोर्नफायर पार्टी से बेहतर और क्या हो सकता है। अगर आपके घर के अंदर ही बोर्नफायर एरिया है तो आप वहां पर पार्टी का इंतजाम करें। अपने घर के टीवी पर कुछ बेहतरीन गाने व मूवी लगाएं। साथ में फैमिली के साथ मिलकर पॉपकॉर्न खाते हुए मूवी एन्जॉय करें। अगर आपके घर के भीतर बोर्नफायर प्लेस नहीं है तो भी परेशान होने की जरूरत नहीं है। आप घर से बाहर गार्डन में या फिर छत पर भी यह अरेंजमेंट कर सकती हैं। तब आप सभी फैमिली मेंबर्स मिलकर मूंगफली, गजक, पॉपकॉर्न और कुछ मजेदार स्नैक्स खाते हुए कई तरह के गेम खेलें। यकीन मानिए, इसमें आपको बहुत ही ज्यादा मजा आएगा।

यह भी है तरीका

अगर आपके पास कार है तो नए साल के स्वागत के लिए आप घर से बाहर निकलकर फैमिली के साथ एक लॉन्ग ड्राइव ले सकती हैं। 1 जनवरी को बस निकल जाएं अपने परिवार के साथ बाहर। इस दौरान आप किसी चाट की दुकान पर रूककर मजेदार चाट खाएं या फिर ठंड के मौसम में सबके साथ मिलकर आईसक्रीम का मजा लें। नए साल की शाम पर बाजारों की रौनक अलग ही होती है। कुछ लोगों की कॉलोनी में ही नए साल का जश्नमनाया जाता है। आप चाहें तो फैमिली के साथ मिलकर उसका हिस्सा भी बन सकती हैं।

मालदीव को 14-0 से रौंदा

भारतीय महिला फुटबॉल टीम की सबसे बड़ी इंटरनेशनल जीत

बैंगलुरू, एजेंसी। मैच की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी लिंडा कोम सेर्टो ने अपने पदार्पण मुकाबले में चार गोल किए जबकि प्यारी शाशा ने महज आठ मिनट के अंतराल में हैट्रिक बनाई जिससे भारतीय महिला फुटबॉल टीम ने सोमवार को यहां अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैच में मालदीव को 14-0 से हरा दिया।इसके साथ ही भारत के स्वीडन के नवनियुक्त कोच जोकिम एलेक्जेंडरसन ने अपने कार्यकाल की शुरुआत शानदार जीत के साथ की। पादुकोण-द्रविड़ सेंटर फॉर स्पोर्ट्स एक्सीलेंस में शाशा ने मेजबान टीम के लिए सातवें, आठवें और 15वें मिनट में गोल दागे और इस बीच 12वें मिनट में लिंडा के गोल में मदद की। पूरी तरह से एकतरफा रहे मैच में लिंडा ने 12वें, 21वें, 29वें और 52वें मिनट में गोल किए। मैच में कुछ समय के लिए व्यवधान आया जब एक लाइनमैन पर मधुमक्खियों ने हमला कर दिया और वह मैदान पर भाग रहा था जिससे खेल रोकना पड़ा। यह घटना मध्यांतर से पहले अंतिम मिनट में हुई और मैच 15 मिनट बाद फिर से शुरू हुआ। भारत मध्यांतर तक 8-0 से आगे था। भारत के लिए नेहा ने भी 16वें और 45वें मिनट में दो गोल करके अपने पदार्पण का जश्न मनाया जबकि काजोल डिसूजा ने भी 59वें और 66वें मिनट में दो गोल किए। अन्य गोल करने वाली खिलाड़ी संगीता बसफोर (51वें मिनट), सोरोखैबम रंजना चानू (54वें मिनट) और रिम्पा हलदर (62वें मिनट) रहीं। मालदीव के खिलाफ दूसरा और अंतिम मैत्री मैच दो जनवरी को यहीं खेला जाएगा। अलेक्जेंडरसन ने आठ खिलाड़ियों को पदार्पण का मौका दिया जिनमें से तीन ने आक्रमण में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया करते हुए आठ गोल किए। यह अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में भारतीय महिला टीम की सबसे बड़ी जीत में से एक है। टीम ने 2010 में बांग्लादेश में सैफ चैंपियनशिप में भूटान को 18-0 से हराया था।

आईपीएल नीलामी में नहीं बिके ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज का वनडे में धमाकेदार प्रदर्शन, 11 साल बाद जड़ा अर्धशतक

नइदिल्ली, एजेंसी। इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले चुके ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज खिलाड़ी डेविड वॉर्नर को इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के ऑक्शन में में किसी फ्रेंचाइजी ने नहीं खरीदा। बिग बैश लीग 14 में उनकी तूफानी बल्लेबाजी देखने को मिली है। उन्होंने 11 साल बाद लीग में अर्धशतक जड़ा और सोमवार (30 दिसंबर) को सिडनी थंडर को मेलबर्न रेनेगेड्स के खिलाफ आठ रन से जीत दिलाई। वॉर्नर ने टूर्नामेंट की शुरुआत अच्छी नहीं की थी। वॉर्नर ने 57 गेंदों पर नाबाद 86 रनों की पारी खेलकर फॉर्म में वापसी की। थंडर ने 4 विकेट पर 156 रन बनाए। इसके बाद वेस अगर ने 32 रन देकर 4 विकेट लिए और रेनेगेड्स 8 विकेट पर 148 रन ही बना पाई। इससे थंडर ने एंजी स्टेडियम के अपने घरेलू मैदान पर 734 दिन बाद पहली जीत दर्ज की। इस परिणाम के साथ थंडर बीबीएल अंक तालिका में सिडनी सिक्सर्स के बाद दूसरे स्थान पर पहुंच गया। रेनेगेड्स 2 जीत और 2 हार के साथ तीसरे स्थान पर खिसक गया।

निश्चित रूप से हार्दिक पांड्या से बेहतर...गावस्कर ने नितीश रेड्डी की जमकर तारीफ की

नइदिल्ली, एजेंसी। भारत के 21 वर्षीय नितीश कुमार रेड्डी ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में अच्छी छवि बनाई हैं। यह युवा खिलाड़ी संकटमोचक बनकर उभरा है जिसने बार-बार मुश्किल परिस्थितियों से भारत को बाहर निकाला है।

हाल ही में संपन्न मेलबर्न टेस्ट में जिसमें भारत 184 रनों से हार गया था, नितीश ने ही पहली पारी में अपना पहला शतक बनाकर भारत को मैच में बनाए रखा था। पूर्व भारतीय कप्तान सुनील गावस्कर नितीश कुमार रेड्डी के दृढ़ संकल्प से काफी प्रभावित हैं, उन्होंने उन्हें भारतीय क्रिकेट के सबसे चमकदार युवा सितारों में से एक बताया। उन्होंने यह भी कहा कि नितीश कुमार रेड्डी की बल्लेबाजी हार्दिक पांड्या से बेहतर है, जब उन्होंने टीम इंडिया के लिए खेलना शुरू किया था।

मेलबर्न टेस्ट में नितीश कुमार रेड्डी पहली पारी में नंबर 8 पर बल्लेबाजी करने आए थे। उन्होंने 114 रन बनाकर भारत को हार से उबारने में मदद की। युवा खिलाड़ी के पिता की स्थिति में मौजूदगी ने इस पल को और खास बना दिया। गावस्कर ने अपने कॉलम में लिखा, मेलबर्न टेस्ट ने भारतीय क्रिकेट के सबसे चमकते युवा सितारों में से एक नीतीश कुमार रेड्डी को सामने ला दिया। वह आईपीएल में हैदराबाद फ्रैंचाइजी के लिए अपने प्रदर्शन से भारतीय क्रिकेट प्रशंसकों के ध्यान में आए। उन्होंने प्रथम श्रेणी स्तर पर कुछ खास नहीं किया था, लेकिन अजीत अगरकर और उनके साथी चयनकर्ताओं को उन्हें टेस्ट क्षेत्र में लाने के लिए पर्याप्त जानकारी थी। गावस्कर ने कहा, पर्थ में अपने पहले टेस्ट मैच में ही यह स्पष्ट हो गया था कि यह एक ऐसा क्रिकेटर है जो परिस्थितियों को समझ सकता है और उसके अनुसार खेल सकता है। प्रत्येक अगले टेस्ट मैच के साथ, उनके कंधों पर एक अच्छे क्रिकेटिंग हेड की छाप और मजबूत होती गई।

नीतीश कुमार रेड्डी ने पहले पर्थ और एडिलेड में 40 रन की कीमती पारियां दर्ज की थीं। लेकिन उन्होंने मेलबर्न में पैट कमिंस, नाथन लियोन, मिशेल स्टार्क और स्कॉट बोलैंड के खिलाफ अपने शतक से पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा।

रोहित शर्मा ने लिया रिटायरमेंट का फैसला! बीसीसीआई जल्द कर सकता है एलान?

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम के मौजूदा कप्तान रोहित शर्मा बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के बाद रिटायरमेंट लेने वाले हैं.

एक मीडिया रिपोर्ट अनुसार रोहित मौजूदा सीरीज के बाद अपने करियर को लेकर बहुत बड़ा फैसला लेने वाले हैं. बता दे कि उनकी कप्तानी में भारत बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी को जीतने में नाकाम रहा है, एक ऐसी सीरीज जिसे टीम इंडिया पिछली चार बार से जीतती आ रही है. वहीं उनका व्यक्तिगत प्रदर्शन भी कुछ खास नहीं रहा है, उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज की 5 पारियों में केवल 31 रन बनाए हैं.

रिपोर्ट अनुसार बीसीसीआई के उच्च अधिकारी और चयनकर्ताओं ने पहले ही रोहित से बात कर ली है और ऐसा लगता है जैसे हिटमैन अपना फैसला नहीं बदलेंगे. अभी तक रिटायरमेंट की तारीख सामने नहीं आई है, लेकिन रिपोर्ट अनुसार रोहित सिडनी टेस्ट के बाद अपने टेस्ट करियर का अंत कर सकते हैं. यदि भारत वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंच जाता है तो रोहित कुछ समय और कप्तान पद पर बने रहने के लिए चयनकर्ताओं से बात कर सकते हैं. मेलबर्न टेस्ट की हार के बाद कप्तान रोहित शर्मा ने कहा था कि वो इस हार से अवश्य ही आहत हुए हैं.

एक तरफ जसप्रीत बुमराह हैं, जो अकेले दम पर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में 30 विकेट ले चुके हैं. दूसरी ओर रोहित शर्मा हैं, जिन्होंने केवल 31 रन बनाए हैं. संभव ही रोहित की टेस्ट रिटायरमेंट ज्यादा दूर नहीं है लेकिन वो सिडनी टेस्ट में बिना लड़ाई करे लंबे फॉर्मेट से संन्यास नहीं लेना चाहते.

मेलबर्न की हार पर क्या बोले रोहित शर्मा

मेलबर्न टेस्ट में भारत को 184 रनों की हार मिली थी, जिसके चलते ऑस्ट्रेलिया ने पांच मैचों की सीरीज में 2-1 की बढ़त बना ली है. रोहित शर्मा ने हार पर कहा कि ऐसी बहुत सी चीजें हैं जो उनके अनुसार नहीं हो पा रही हैं. उन्होंने यह भी बताया कि ये हार मानसिक तौर पर झकझोर देने वाली है.

मिशेल मार्श के चोटिल होने की कोई चिंता नहीं है: मुख्य कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड

मेलबर्न, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के मुख्य कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने भारत के खिलाफ चल रही बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी सीरीज में सीमित ओवरों के बावजूद ऑलराउंडर मिशेल मार्श के फिटनेस संबंधी किसी भी चिंता को खारिज कर दिया।मैकडोनाल्ड ने मार्श के सीमित समय तक गेंद के साथ खेलने को फिटनेस मुद्दे के बजाय मैच की स्थिति से जोड़ते हुए कहा, नहीं, कोई चिंता की बात नहीं है। मैकडोनाल्ड ने एमसीजी में यादगार जीत के बाद कहा, मुझे लगता है कि लोगों ने शायद इस बारे में बहुत अधिक पढ़ा (चोट के बारे में) है।

हमने उन्हें उतनी बार गेंद के साथ खेलने की आवश्यकता नहीं बताई जितनी हमने सोची थी। उन्होंने आज फिर से गेंदबाजी की। उनकी गति 120 (किमी प्रति घंटे) के आसपास है। चोट की कोई चिंता नहीं है। मुझे लगता है कि इस कोण से इस तरह की बात करना थोड़ा अनुचित है। हमें किसी कारण से कुछ समय के लिए उसकी आवश्यकता नहीं पड़ी। मुझे लगता है कि हमने श्रृंखला में जितने ओवर गेंदबाजी की है, वह शायद हमारे लिए फायदेमंद होगा। फ्रंट-लाइन पेसर मिशेल स्टार्क की फिटनेस के कारण सिडनी टेस्ट के लिए उस स्थान को भरने के लिए तेज गेंदबाज झाई रिचर्डसन और सीन एबॉट ऑस्ट्रेलिया की टीम में हैं। हालांकि ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस और मैकडॉनल्ड को श्रृंखला के अंतिम मैच के लिए स्टार्क की उपलब्धता पर भरोसा है।

मैकडॉनल्ड ने कहा, पूरी श्रृंखला में यह अपेक्षाकृत हल्का रहा है, इसलिए मुझे उम्मीद है कि दोनों आक्रमण (अंतिम टेस्ट में) दबाव बनाने में सक्षम होने के लिए अच्छी स्थिति में होंगे। तो क्या इसका मतलब है कि आपको पांचवें गेंदबाज की आवश्यकता है? मुझे लगता है कि आपको अभी भी पांचवें गेंदबाज की आवश्यकता है। लेकिन क्या आप पांचवें गेंदबाज पर बहुत अधिक मांग करने जा रहे हैं, संभवतः नहीं। इस सीरीज में उनके सीमित योगदान के कारण मार्श की बल्लेबाजी में संघर्ष और भी बढ़ गया है। पिछले सीजन में ऑस्ट्रेलिया के सबसे बेहतरीन टेस्ट बल्लेबाज रहे एलन बॉर्डर मेडलिस्ट ने पाकिस्तान, वेस्टइंडीज और न्यूजीलैंड के खिलाफ 6 में से चार जीत में अर्धशतक जड़े थे। लेकिन वे 10.42 की औसत से सिर्फ 73 रन ही बना पाए हैं। खास बात यह है कि इनमें से 47 रन पर्थ में दूसरी पारी में आए, जब मैच पहले ही हाथ से निकल चुका था। इसकी तुलना में चौथे टेस्ट के लिए बाहर किए गए नाथन मैकस्वीनी ने 14.40 की औसत से 72 रन बनाए। एक कठिन सीरीज और आत्म-संदेह के इतिहास के बावजूद कोच मैकडोनाल्ड ने मार्श की मौजूदा मानसिकता पर भरोसा जताया।

उन्होंने कहा, क्या वे बेहतर प्रदर्शन करना चाहेंगे? इसमें कोई संदेह नहीं है। चार टेस्ट मैचों में वे उस स्तर पर प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं, जैसा वे और हम चाहते थे। लेकिन हां, वे आगे बढ़ रहे हैं। हमने अभी-अभी एक टेस्ट मैच जीता है। वह काफी अच्छे मूड में है। ऑस्ट्रेलिया ने रिचर्डसन को नए साल की पूर्व संध्या पर एडिलेड में पर्थ स्कॉर्चर्स के लिए बीबीएल मैच खेलने के लिए रिलीज किया। वह बुधवार को टीम में शामिल होंगे और चोटों के इतिहास के बावजूद कोच मैकडोनाल्ड ने आवश्यकता पड़ने पर खेलने के लिए उनकी तत्परता पर भरोसा जताया।

कोच ने कहा, बहुत आश्वस्त। वह किसी कारण से यहां है। इसलिए अगर हमें भरोसा नहीं होता, तो वह यहां नहीं होता। उसने हमारे साथ नेट्स में एक बहुत ही कठिन सप्ताह बिताया है। सभी संकेत हैं कि अगर उसे बुलाया जाता है तो वह 40 से अधिक ओवर गेंदबाजी करने में सक्षम होगा। सीन एबॉट भी वहां है। हमें लगता है कि (एससीजी) उसका घरेलू मैदान है, इसलिए अगर उसे बुलाया जाता है तो वह भी उपयोगी साबित होगा।

ऋषभ पंत के आलोचकों को संजय मांजरेकर का जवाब

नइदिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मेलबर्न टेस्ट में एक समय पर ड्रॉ के करीब दिख रही थी। हालांकि आखिरी सेशन में सात विकेट गंवाना के बाद टीम यह मैच गंवा बैठी। इस मैच में ऋषभ पंत को गलत शॉट खेलकर आउट होने के लिए आलोचना का शिकार होना पड़ा। उनके आउट होने के बाद ही ऑस्ट्रेलिया को मैच में वापसी का मौका मिला।

पूर्व भारतीय बल्लेबाज संजय मांजरेकर ने ऋषभ पंत की समर्थन करते हुए कहा कि उनकी इस तरह की आलोचना नहीं होनी चाहिए।

सुनील गावस्कर ने ऋषभ पंत के आंकड़े गिनाए

संजय मांजरेकर ने एक्स पर लिखा, 'ऋषभ पंत की सिर्फ उनके फेल होने के लिए आलोचना होनी चाहिए इसलिए नहीं कि वह कैसे फेल हुए। टेस्ट में उनकी 42 की औसत है और कम से कम तीन शानदार पारियां खेलने वाले भारतीय है। 42 टेस्ट में उन्होंने 6 शतक लगाए हैं वहीं सात बार 90 से ज्यादा रन बनाकर आउट हुए। वह शानदार खिलाड़ी है लेकिन बस ज्यादा रन नहीं बना पा रहे हैं। बात बस यही है।'

बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में नहीं चला था पंत का बल्ला

ऋषभ पंत का बल्ला बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में नहीं चला है। उन्होंने सात पारियों में 22 के औसत से केवल 154 रन बनाए हैं। मेलबर्न टेस्ट की पहली पारी में शनिवार को पंत ने स्कॉट बोलैंड की गेंद पर स्टंप्स के पार स्कूप शॉट लगाने का प्रयास किया लेकिन वह नाथन लियोन के हाथों में चला गया।

गावस्कर ने इस शॉट को खेलने के लिए ऋषभ पंत को बेवकूफ कहा था। उन्होंने कहा, 'यह तो अपना विकेट गंवाना जैसा है। वो भी तब जब टीम इन हालात में है। हालात को भी समझना चाहिए था। आप यह नहीं कह सकते कि यह आपका स्वाभाविक खेल है। यह आपका स्वाभाविक खेल नहीं है। यह बेवकूफाना शॉट था। आपने टीम को निराश किया है। उसे ड्रेसिंग रूम में नहीं जाना चाहिए। पंत को दूसरे ड्रेसिंग रूम में जाना चाहिए।'रोहित शर्मा ने कहा कि पंत को टीम की जरूरत समझनी चाहिए।

विनोद कांबली ने अस्पताल में किया नृत्य, वीडियो हुआ वायरल

ठाणे, एजेंसी। ठाणे जिले के एक अस्पताल में उपचार करा रहे विनोद कांबली का यहां नृत्य करते हुए एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया जिससे इस पूर्व भारतीय क्रिकेटर के स्वास्थ्य में प्रगति का पता चलता है। भारत की तरफ से 17 टेस्ट और 104 वनडे खेलने वाले 52 वर्षीय कांबली को मूत्र संक्रमण और मांसपेशियों में ऐंठन की शिकायत के बाद 21 दिसंबर को भिवंडी शहर के काल्हेर इलाके में आकृति अस्पताल में भर्ती कराया गया।

कई तरह की चिकित्सा जांच के बाद उनके मस्तिष्क में थक्के का पता चला। कांबली का इलाज कर रहे डॉक्टरों ने सोमवार को कहा कि उनके स्वास्थ्य में सुधार हो रहा है। इस वीडियो में अस्पताल में कांबली को पूरे जोश के साथ नाचते हुए दिखाया गया है, जो उनके स्वास्थ्य में महत्वपूर्ण सुधार का संकेत देता है।

पीएम मोदी की पहल के कायल हुए शाहरुख खान

बॉलीवुड किंग शाहरुख खान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मीडिया और मनोरंजन के क्षेत्र के लिए उनके दृष्टिकोण का समर्थन करते नजर आए। उन्होंने आगामी वर्ल्ड ऑडियो विजुअल एंटरटेनमेंट समिट 2025 (वेव्स) को लेकर सोशल मीडिया पर अपना उत्साह व्यक्त किया।

एक्स अकाउंट पर शाहरुख ने पीएम मोदी की इस पहल की जमकर सराहना की। उन्होंने पीएम मोदी को टैग करते हुए अपनी पोस्ट में लिखा, मैं बड़ी उत्सुकता से अपने देश में आयोजित होने वाले वेव्स- फिल्म और मनोरंजन विश्व शिखर सम्मेलन का इंतजार कर रहा हूं। यह हमारी इंडस्ट्री के लिए एक ऐसा उत्सव है, जो फिल्म की इंडस्ट्री के भारतीय अर्थव्यवस्था में योगदान से रूबरू कराएगा। सबसे बढ़कर, यह एक ऐसा अवसर है जो रचनात्मकता को बढ़ावा देगा।

शाहिद कपूर की देवा का नया पोस्टर जल्द होगा जारी?

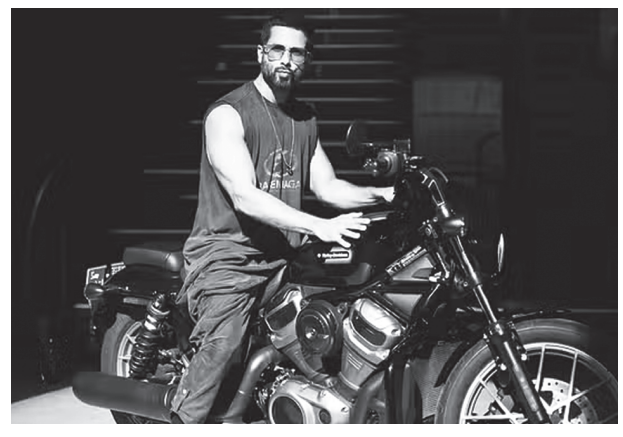

बॉलीवुड अभिनेता शाहिद कपूर इन दिनों अपनी आगामी एक्शन फिल्म देवा को लेकर लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। शाहिद कपूर ने 2025 की अपनी पहली फिल्म देवा की घोषणा करके अपने प्रशंसकों को उत्साहित कर दिया है। आगामी एक्शन थ्रिलर फिल्म देवा में शाहिद कपूर का लुक पहले ही जारी किया जा चुका है। अब, रॉय कपूर फिल्म्स और जी स्टूडियोज ने दर्शकों के लिए एक और नए साल का सरप्राइज प्लान किया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, 1 जनवरी, 2025 को फिल्म का नया पोस्टर जारी होगा, जिसमें अमिताभ बच्चन का एक खास कनेक्शन भी दिखाई देगा। फिल्म निर्माता रोशन एंड्रयूज देवा के साथ हिंदी फिल्म में डेब्यू करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। शाहिद कपूर, पूजा हेगड़े और पावेल गुलाटी अभिनीत यह फिल्म सभी एक्शन प्रेमियों के लिए नए साल की जबर्दस्त ट्रीट होगी। वैसे को फिल्म देवा से शाहिद कपूर का लुक पहले ही जारी किया जा चुका है, लेकिन मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, देवा की टीम 1 जनवरी को एक्शन फिल्म का नया पोस्टर जारी करने की योजना बना रही है, जिसमें बिग बी का खास कनेक्शन दिखाई देगा।

संक्षिप्त समाचार

ईडी का दावा, छत्तीसगढ़ के पूर्व मंत्री लखमा ने घोटाले की रकम का किया इस्तेमाल

नई दिल्ली, एजेंसी। ईडी ने सोमवार को दावा किया कि उसने ऐसे सबूत जुटाए हैं, जिनसे पता चलता है कि छत्तीसगढ़ के कांग्रेस विधायक कवासी लखमा ने कथित शराब घोटाले से अर्जित अपराध की आय का इस्तेमाल किया। ईडी ने धनशोधन मामले की जांच के तहत 28 दिसंबर को राज्य के रायपुर, सुकमा और धमतरी जिलों में पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा और उनके बेटे हरीश लखमा के परिसरों पर छापे मारे थे। ईडी ने एक बयान में कहा कि तलाशी अभियान लखमा के आवासीय परिसर में चलाया गया जो आबकारी मंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान कथित तौर पर अपराध की आय के मुख्य प्राप्तकर्ता थे। ईडी ने कहा कि तलाशी अभियान के परिणामस्वरूप, घोटाले की संबंधित अवधि के दौरान कवासी लखमा द्वारा अपराध की आय के इस्तेमाल से संबंधित सबूत जुटाए गए हैं। ईडी ने आरोप लगाया है कि लखमा को शराब घोटाले से अर्जित अपराध की आय से मासिक आधार पर बड़ी मात्रा में नकदी मिलती थी। ईडी के अनुसार, राज्य में कथित शराब घोटाला 2019-22 के बीच हुआ था, जब छत्तीसगढ़ में भूपेश बघेल के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार थी। कवासी लखमा (71) कोंटा से छह बार के विधायक हैं और पिछली कांग्रेस सरकार में आबकारी मंत्री रह चुके हैं। हरीश लखमा जिले में पंचायत अध्यक्ष हैं। कांग्रेस की छत्तीसगढ़ इकाई ने पूर्व में आरोप लगाया था कि ये छापे शहरी निकाय और पंचायत चुनावों से पहले विपक्षी पार्टी के नेताओं को परेशान करने की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की साजिश का हिस्सा हैं।

नए साल के जश्न से पहले गाजियाबाद पुलिस का कड़ा ऐक्शन, 192 होटल सील

नईदिल्ली, एजेंसी। नववर्ष के मद्देनजर कमिश्नरेट पुलिस ने सोमवार को तीनों जोन में बिना लाइसेंस चल रहे होटल और लॉज के खिलाफ अभियान चलाया। दोपहर 12 बजे से शाम चार बजे तक चले अभियान में 390 होटल जांचे गए, जिनमें से 192 होटल बिना लाइसेंस के चलते मिले। पुलिस ने इन होटलों को सील कर दिया। पुलिस ने नए साल पर होटलों में अनैतिक कार्य होने के इनपुट पर यह कार्रवाई की। पुलिस आयुक्त अजय कुमार मिश्र ने बताया कि सोमवार को होटलों और लॉज पर चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान होटलों में तमाम खामियां पाई गईं। बड़ी संख्या में होटलों का सराय एक्ट में पंजीकरण नहीं मिला। इतना ही नहीं, ज्यादातर के पास लाइसेंस भी नहीं था। पुलिस आयुक्त ने बताया कि चार घंटे तक चले अभियान में कुल 390 होटल और लॉज जांचे गए, जिनमें से 192 होटलों का सराय एक्ट के तहत पंजीकरण नहीं मिला। इन होटलों को पुलिस ने सील कर दिया। पुलिस आयुक्त के मुताबिक नगर जोन में 122 होटलों की चेकिंग की गई। इनमें से 56 होटल ऐसे पाए गए जो अनाधिकृत रूप से बिना लाइसेंस के चल रहे थे। इसी तरह ग्रामीण जोन में चेकिंग के दौरान 108 होटलों की चेकिंग की गई। जांच में 54 होटल बिना लाइसेंस के चलते पाए गए, जिन्हें पुलिस सील कर दिया। ग्रामीण जोन के तहत क्रॉसिंग रिपब्लिक थानाक्षेत्र में 15, मसूरी थानाक्षेत्र में तीन, वेव सिटी थानाक्षेत्र में एक, मुरादनगर थानाक्षेत्र में छह, मोदीनगर थानाक्षेत्र में 12, निवाडी थानाक्षेत्र में आठ, लोनी थानाक्षेत्र में दो, लोनी बार्डर थानाक्षेत्र में पांच और अंकुर विहार थानाक्षेत्र में दो होटलों को सील किया गया है।

केजरीवाल ने 10 साल में जितना पैसा मौलवियों को दिया वह जोड़कर पहले पुजारियों को दिया जाए: भाजपा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में विधानसभा चुनाव से पहले आम आदमी पार्टी (आप) ने पुजारियों और ग्रंथियों से वह वादा किया दिया जिसके लिए उसे पिछले कई सालों से घेरा जा रहा था। इमामों को वेतन देती आ रही आप सरकार ने अब कहा है कि यदि विधानसभा चुनाव में जीत मिली तो दिल्ली के पुजारियों और ग्रंथियों को भी 18 हजार रुपए मासिक सम्मान राशि दी जाएगी। अब तक दिल्ली सरकार पर तुष्टिकरण का आरोप लगाती रही भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने केजरीवाल के वादे पर जोरदार प्रहार किया है। भाजपा ने इसे झूठा वादा करार देते हुए मांग की है कि पहले पुजारियों और ग्रंथियों को एरियर दिया जाए। भाजपा का कहना है कि 10 साल में जितना मौलवियों को वेतन दिया गया वह जोड़कर पहले पुजारियों और ग्रंथियों को एकमुश्त दे दिया जाए। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने एक्स पर एक वीडियो जारी करते हुए केजरीवाल सरकार से पुजारियों-ग्रंथियों को तुरंत एरियर देने की मांग की। उन्होंने लिखा, 10 साल तक मंदिरों के पुजारी और गुरुद्वारों के ग्रंथी उनकी सूची में थे ही नहीं, अब उन्हें ठगने का नया नाटक शुरू किया है। इमामों को 10 साल से वेतन, और हिन्दू व सिखों को दोयम दर्जे का नागरिक समझा गया। हिम्मत है तो अगले कैबिनेट में 10 साल का एरियर देकर दिखाओ। नकली सेक्युलरिज्म का खेल अब नहीं चलेगा। भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कहा कि केजरीवाल ने पहले महिलाओं को बुरबक बनाने की कोशिश की और अब दूसरों को ज्ञान देने वाले लोगों के साथ भी ऐसा ही किया जा रहा है। गिरिराज सिंह ने कहा, केजरीवाल जी आप तो गिरगिट से भी ज्यादा रंग बदलते हैं। रंग बदलने की राजनीति में महारत पा ली। लेकिन एक दिन पहले तो दिल्ली की दीदियों को बुरबक बनाया, पोल खुल गया। अब हमारे मंदिर के पुजारियों और गुरुद्वारे के ग्रंथियों को बुरबक बनाने की कोशिश कर रहे हैं, जो दूसरों को ज्ञान देते हैं। यदि आप में हिम्मत है और सही में देना चाहते हैं तो 10 साल में जितना मौलवियों को पैसा दिया वह जोड़कर एकमुश्त एयरियर कैबिनेट में पास करके पुजारियों और ग्रंथियों को दें, तब समझूंगा कि आपको देने की इच्छा है। आखिर चुनाव आया है तब ही आपके मन में प्रश्न उठा। इससे पहले तो आपके मन में कभी नहीं आया। आप तो कभी हनुमान जी के भक्त बनते हैं कभी खुदा के भक्त बनते हैं, यह तो आपका पुराना इतिहास है।

दिल्ली में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को 7 महीने से नहीं मिला वेतन: बांसुरी स्वराज

नई दिल्ली, एजेंसी।
भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज ने दिल्ली की आम आदमी पार्टी (आप) सरकार पर पिछले 7 महीने से आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को वेतन नहीं देने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि आशा कार्यकर्ता 3,000 रुपये के वेतन पर काम कर रही हैं और उनका स्टाइपेंड नहीं बढ़ाया गया है। बांसुरी स्वराज ने दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना से मुलाकात पर इस मुद्दे पर ध्यान देने का आग्रह किया है।

बांसुरी स्वराज ने कहा, यह बेहद शर्मनाक है कि दिल्ली की 'आप' सरकार ने आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को पिछले 7 महीनों से वेतन नहीं दिया है। आशा कार्यकर्ता 3,000 रुपये के वेतन पर काम कर रही हैं और उनका स्टाइपेंड नहीं बढ़ाया गया है, जबकि हर 3 साल में स्टाइपेंड बढ़ाना अनिवार्य था। यह लॉ में है, लेकिन आम आदमी पार्टी की सरकार ने ऐसा कुछ नहीं किया है। उनकी वेदना यह बहरी सरकार सुनने से रही, इसलिए हमने एलजी से मिलकर गुहार लगाई है। 'आप' सरकार जो कह रही है, उस पर ध्यान नहीं दे रही है। हम इस बारे में आज दिल्ली के एलजी से मिले और मुझे खुशी है कि उन्होंने मुझे आश्वासन दिया है कि वे इस मुद्दे पर दिल्ली की मुख्यमंत्री को निर्देश देंगे।

दिल्ली के उपराज्यपाल वी.के. सक्सेना ने दिल्ली की आप सरकार को आशा कार्यकर्ताओं का मानदेय बढ़ाने और आंगनवाड़ी सुपरवाइजर्स का रुका हुआ वेतन जल्द से जल्द जारी करने की सलाह दी है। राज निवास के अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि मान्यता प्राप्त सामाजिक स्वास्थ्य कार्यकर्ता (आशा) और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने सक्सेना से मुलाकात की और उन्हें अपनी शिकायतें बताईं। उन्होंने उपराज्यपाल से इस मामले में हस्तक्षेप करने की भी मांग की है। आशा कार्यकर्ता राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत समुदाय में गैर-चिकित्सा स्वास्थ्य कार्यकर्ता के रूप में कार्य करती हैं। अधिकारियों ने बताया कि सक्सेना ने 'आप' सरकार को आशा कार्यकर्ताओं को दिए जाने वाले मानदेय को 3,000 रुपये प्रति माह से बढ़ाकर 9,000 रुपये करने की सलाह दी है। आखिरी बार 2018 में स्टाइपेंड बढ़ाया गया था। उन्होंने बताया कि नियमों के अनुसार, हर तीन साल में मानदेय में बढ़ोतरी की जानी चाहिए। अधिकारियों ने बताया कि उपराज्यपाल ने दिल्ली सरकार से आंगनवाड़ी सुपरवाइजर्स का लंबित वेतन भी देने को कहा है। सुपरवाइजर्स को सात महीने से वेतन नहीं मिला है।

इस साल दिसंबर में सबसे साफ रही हवा, 294 रहा औसत एक्यूआई; 18 नवंबर को पीक पर था प्रदूषण

नईदिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली में इस साल साफ हवा वाले दिनों की संख्या में पहले की तुलना में बढ़ोतरी हुई है, लेकिन प्रदूषक कणों की सघनता पहले से ज्यादा रही। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़े बताते हैं कि इस साल पीएम 10 और पीएम 2.5 कणों का औसत पिछले पांच साल में सबसे ज्यादा रहा। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के अनुसार, दिसंबर के पहले पखवाड़े में लगातार तेज हवाएं चलने और उसके बाद महीने के दूसरे पखवाड़े में रिकॉर्ड तोड़ बारिश होने से दिल्ली में इस महीने औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 294 दर्ज किया गया, जो 2015 में एक्यूआई शुरू होने के बाद से दिल्ली का सबसे स्वच्छ दिसंबर रहा। हालांकि, 294 की औसत एक्यूआई रीडिंग, जिसे सीपीसीबी मानकों द्वारा खराब वर्गीकृत किया गया है, संतोषजनक एक्यूआई से लगभग तीन गुना खराब है। इसके अलावा, इस महीने छह दिन गंभीर हवा वाले दिन रहे, जब एक्यूआई 400 के स्तर को पार कर गया। जिसके कारण निर्माण पर, वाहनों की आवाजाही पर प्रतिबंध, हाइब्रिड मोड में क्लास चलीं। इस साल औसत एक्यूआई 294, पिछले साल 348, दिसंबर 2022 में 319 और दिसंबर 2021 में 336 दर्ज किया गया। आंकड़ों के अनुसार, दूसरी सबसे अच्छा एक्यूआई रीडिंग 300 थी, जो 2015 में दर्ज की गई थी। विशेषज्ञों ने कहा कि तीसरे हफ्ते में छह दिनों की गंभीर हवा की

अवधि को छोड़कर, इस महीने प्रदूषकों के फैलाव के लिए परिस्थितियां ज्यादातर अनुकूल रहीं। स्काईमेट के उपाध्यक्ष महेश पलावत ने कहा, दिसंबर के पहले पखवाड़े में हवाएं काफी तेज थी जबकि हवा में सीमित नमी थी। जिसकी वजह से मध्यम या घना कोहरा काफी समय बाद देखने को मिला। हवाओं ने प्रदूषकों को फैलाया। इससे एक्यूआई नियंत्रण में रहा। वहीं दिसंबर के तीसरे हफ्ते में पश्चिमी विक्षोभ ने हवाओं की गति को धीमा कर दिया। अगर पीक प्रदूषण की बात करें तो इस साल 18 नवंबर को प्रदूषण का स्तर सबसे ज्यादा रहा। इस दिन दिल्ली का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक 494 के अंक पर रहा, जो आपातकालीन स्तर से सिर्फ सात अंक ही नीचे रहा।

इजराइल में 16000 भारतीय श्रमिकों का बढ़ेगा योगदान; फिलिस्तीनियों की जगह भरने की पहल

श्रम बाजार में चुनौतियां और संभावनाएं

येरूसलम, एजेंसी।
इजराइल और हमास के बीच जारी संघर्ष ने कई क्षेत्रों को प्रभावित किया है, जिनमें निर्माण उद्योग भी शामिल है। इस युद्ध के चलते इजराइल ने हजारों फिलिस्तीनी श्रमिकों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया है। ऐसे में भारतीय निर्माण श्रमिकों ने तेजी से इस कमी को भरने में मदद की है। पिछले वर्ष में लगभग 16,000 भारतीय श्रमिकों ने इजराइल के निर्माण स्थलों पर अपनी जगह बनाई है। मध्य इजराइल के बीर याकोव में निर्माण स्थलों पर अब हिंदी, हिब्रू और मंदारिन बोलने वाले श्रमिक दिखेंगे, जहां पहले अरबी भाषी फिलिस्तीनी कामगार काम करते थे। इजराइल में भारतीय श्रमिकों के लिए अधिक आय एक प्रमुख आकर्षण है। कई श्रमिक घर पर मिलने वाले वेतन से तीन गुना ज्यादा कमा रहे हैं। 35 वर्षीय राजू निषाद जैसे श्रमिक, जो उत्तर प्रदेश से आए हैं, इजराइल में अपने परिवार के भविष्य के लिए बचत और निवेश करने के इरादे से काम कर रहे हैं।

दिल्ली स्थित डायनेमिक स्टाफिंग सर्विसेज के अध्यक्ष समीर खोसला ने अक्टूबर 2023 के बाद से 3,500 से अधिक भारतीय श्रमिकों को इजराइल भेजा है। खोसला ने बताया कि इजराइल में कुशल श्रमिकों की भारी मांग है और भारत इसमें सहयोग करने के लिए स्वाभाविक रूप से तैयार है। उनके अनुसार, इजराइल के लिए भारत एक स्वाभाविक विकल्प है क्योंकि दोनों देशों के बीच अच्छे संबंध हैं। बता दें इजराइल सरकार की योजना है कि वह और अधिक भारतीय श्रमिकों को बुलाकर निर्माण उद्योग में स्थिरता लाए। फिलहाल, युद्ध से पहले के निर्माण स्तर तक पहुंचने के लिए अभी लंबा रास्ता तय करना बाकी है। युद्ध से पहले लगभग 80,000 फिलिस्तीनी और 26,000 विदेशी निर्माण कार्यों में कार्यरत थे। आज यह संख्या घटकर लगभग 30,000 रह गई है। सेंट्रल बैंक ऑफ इजराइल के अनुसार, निर्माण गतिविधियां युद्ध-पूर्व स्तरों से लगभग 25 प्रतिशत कम हैं। इजराइल की आबादी हर साल दो प्रतिशत की दर से बढ़ रही है और यह देरी भविष्य में आवास की कमी का कारण बन सकती है। इसलिए भारतीय श्रमिक इजराइल के निर्माण उद्योग में तेजी लाने के लिए महत्वपूर्ण साबित हो रहे हैं। वे न केवल अपनी निर्माण विशेषज्ञता लेकर आए हैं, बल्कि अपने घर के स्वाद और संस्कृति को भी साझा कर रहे हैं।

इजरायल का गाजा के अस्पताल में हमला; मरीज और डॉक्टर करवाए नंगे ! मच गई अफरा-तफरी

येरूसलम, एजेंसी।
इजरायल ने उत्तरी गाजा के कमाल अदवान अस्पताल पर रेड करके 240 संदिग्ध हमास आतंकियों को गिरफ्तार करने का दावा किया है। इस ऑपरेशन में इजरायली सेना ने दावा किया कि आतंकवादियों ने अस्पताल में छिपने के लिए मरीजों और चिकित्सा कर्मचारियों की वर्दी पहन रखी थी। छापेमारी के दौरान भारी मात्रा में हथियार, विस्फोटक और अन्य सैन्य उपकरण भी बरामद किए गए हैं। इजरायली सेना ने बताया कि पकड़े गए संदिग्धों में से कई लोग हमास, फिलिस्तीनी इस्लामिक जिहाद और अन्य आतंकवादी समूहों से जुड़े थे। इन संदिग्धों में कमाल अदवान अस्पताल के निदेशक, हुस्साम अबू सफिया, का नाम भी शामिल था। इजरायली सेना ने दावा किया कि अबू सफिया पर हमास का सदस्य होने का शक था और वह 7 अक्टूबर, 2023 को इजरायल पर हुए हमले में शामिल था।

अस्पताल में हमले के बाद, आइडीएफ ने कहा कि कुछ आतंकवादी मरीजों और मेडिकल स्टाफ की वर्दी पहनकर छिपने की कोशिश कर रहे थे और कुछ ने एम्बुलेंस में भागने की भी कोशिश की। सेना ने बताया कि रेड के दौरान अस्पताल में कई बंदूकधारी मारे गए और अन्य संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया। हालांकि, इस ऑपरेशन पर हमास और कुछ मीडिया रिपोर्ट्स ने इजरायली सेना पर गंभीर आरोप लगाए हैं। आरोप है कि इजरायली सैनिकों ने अस्पताल में मरीजों और डाक्टरों के कपड़े उतारे, उनके साथ दुर्व्यवहार किया और अस्पताल में

गोलीबारी की, जिससे अस्पताल में अफरा-तफरी मच गई। हमास ने दावा किया कि अस्पताल में मरीजों और चिकित्सकों के जीवन को खतरे में डाला गया और रेड के दौरान उनके साथ हिंसा हुई।

इजरायली सेना की रेड में गोलीबारी और दुर्व्यवहार के आरोपों ने पूरी दुनिया का ध्यान आकर्षित किया है। हमास ने अस्पताल के निदेशक हुस्साम अबू सफिया की गिरफ्तारी पर भी प्रतिक्रिया दी और इसे झूठा प्रचार करार दिया। उन्होंने कहा कि अबू सफिया के बारे में जो जानकारी प्रसारित की जा रही है, वह पूरी तरह से गलत है। गाजा में स्वास्थ्य संकट पहले ही गहरा चुका है, जहां मेडिकल आपूर्ति की भारी कमी हो रही है। इजरायली रेड के बाद वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन ने इस हमले की कड़ी निंदा की है। डब्ल्यूएचओ ने कहा कि इस हमले के परिणामस्वरूप उत्तरी गाजा में स्थित आखिरी प्रमुख स्वास्थ्य सुविधा, कमाल अदवान अस्पताल, अब बंद हो गई है।

बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ बढ़ा भेदभाव, पुलिस विभाग में नियुक्ति पर लगाई रोक

ढाका, एजेंसी।
बांग्लादेश में नोबेल पुरस्कार विजेता मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व में गठित नई सरकार के तहत हिंदुओं के खिलाफ भेदभाव और उत्पीड़न की घटनाएं बढ़ रही हैं। हाल ही में बांग्लादेश के गृह मंत्रालय और लोक सेवा आयोग ने पुलिस विभाग में हिंदुओं की नियुक्ति पर प्रतिबंध लगाने का आदेश जारी किया है। इसके तहत कांस्टेबल से लेकर उच्च पदों तक हिंदू आवेदकों के आवेदन को खारिज कर दिया गया है। साथ ही एएसपी, एसपी और डीआईजी जैसे उच्च पदों से 100 से ज्यादा हिंदू अधिकारियों को बर्खास्त भी कर दिया गया है।

इन पदों को कट्टरपंथी समूहों विशेष रूप से जमात-ए-इस्लामी के सदस्य कब्जा करने की कोशिश

कर रहे हैं। इसके अलावा बांग्लादेश में पुलिस कर्मियों की 79,000 पदों की भर्ती प्रक्रिया भी रद्द कर दी गई है और जनवरी में नई भर्ती प्रक्रिया शुरू की जाएगी, जिसमें हिंदू आवेदकों को आवेदन करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

चिन्मय दास पर झूठे आरोप: बांग्लादेश हिंदू बौद्ध ईसाई एकता परिषद ने भी चिन्मय कृष्ण दास की रिहाई की मांग की है। परिषद के कार्यवाहक महासचिव मनिंद कुमार नाथ ने बयान जारी कर कहा कि चिन्मय कृष्ण दास और अन्य 19 लोगों के खिलाफ राजद्रोह का जो मामला दर्ज किया गया है।

अमेरिका में हिंदू संत की रिहाई की मांग

बांग्लादेश में हिंदुओं और अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा के मुद्दे पर अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी आवाज उठने लगी है। बांग्लादेशी मूल के हिंदू, बौद्ध और ईसाई संगठनों ने अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से बांग्लादेशी हिंदू संत चिन्मय कृष्ण दास की तत्काल रिहाई की मांग की है। इन संगठनों ने एक ज्ञापन में कहा है कि चिन्मय कृष्ण दास को बिना किसी कारण के गिरफ्तार किया गया है और जेल में उनकी सेहत बिगड़ने से उनकी जान को खतरा है। कुछ दिन पहले बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमलों के खिलाफ अमेरिका में वाइट हाउस से कैपिटल हिल तक विरोध मार्च भी निकाला गया था।

अमेरिकी ट्रेजरी पर चीन का साइबर अटैक, अहम दस्तावेजों तक बनाई पहुंच

वाशिंगटन, एजेंसी। चीन के हैकरों ने अमेरिका पर बड़ा साइबर अटैक किया है। व्हाइट हाउस की एक शीर्ष अधिकारी ने कहा कि एक बड़े साइबर सुरक्षा उल्लंघन में राज्य-प्रायोजित चीनी अभिनेता ने कथित तौर पर अमेरिकी कार्यालयों और अवर्गीकृत दस्तावेजों तक पहुंच प्राप्त कर ली। ट्रेजरी अधिकारियों द्वारा जारी आंतरिक ट्रेजरी विभाग के बयान में सरकारी एजेंसियों द्वारा उपयोग किए जाने वाले सॉफ्टवेयर सिस्टम में कमजोरियों को उजागर किया गया है। सीएनएन द्वारा समीक्षा किए गए एक दस्तावेज़ में पाया गया कि उल्लंघन तब हुआ जब एक धमकी देने वाले अभिनेता ने बैंक कार्यालयों और अनएन्क्रिप्टेड दस्तावेज़ों तक दूरस्थ पहुंच प्राप्त करने के लिए चोरी की चाबियों का उपयोग किया। इस समझौते का पता 8 दिसंबर को एक तृतीय-पक्ष सॉफ्टवेयर सेवा प्रदाता द्वारा एक अधिसूचना के माध्यम से चला। अमेरिकी ट्रेजरी में प्रबंधन की सहायक सचिव अदिति हार्डिकर के अनुसार, इस घटना के लिए एक चीनी राज्य प्रायोजित एडवांस्ड पर्सिस्टेंट थ्रेट (एपीटी) अभिनेता को जिम्मेदार ठहराया गया है। आगे के जोखिमों को कम करने के लिए बाधित सेवा को ऑफ़लाइन कर दिया गया है। ट्रेजरी विभाग नुकसान का आकलन करने और भविष्य की घटनाओं को रोकने के लिए साइबर सुरक्षा और बुनियादी ढांचा सुरक्षा एजेंसी (सीआईएसए), कानून प्रवर्तन और फोरेंसिक जांचकर्ताओं के साथ मिलकर काम कर रहा है।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रकः- देवेन्द्र मालवीय द्वारा श्री सिंध्दी विनायक प्रिंटर्स 26 बी देशबंधु परिसर प्रेस काम्प्लेक्स झोन 1 एम पी नगर भोपाल म.प्र. से मुद्रित एवं 773 / 19 मेघदूत नगर इंदौर म.प्र. से प्रकाशित सम्पादक डॉ. देवेन्द्र मालवीय
कार्यालय पताः-एच. 21 अंकित अपार्टमेंट ब्रजेश्वरी एनएक्स, इंदौर मध्यप्रदेश मोः- 98276-22204 सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र इंदौर रहेगा। डाक पंजीकरण संख्या-MP/IDC/1619/2024-2026

दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त सूचनाए, विचार,आलेख विभिन्न समाचार के स्त्रोत एवं संकलन लेखकों के व संकलनकर्ता के स्वंय जिनका संकलन विभिन्न एजेंसियों, के माध्यम से किया गया है, अतः समस्त प्रकार के प्रकाशन हेतु संपादक, प्रकाशक, मुद्रक का प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सहमत होना अनिवार्य नही है।